▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 297 ▸▸मुंबई, शनिवार, 3 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

▸▸ बीजेपी-शिंदे सेना के 50 से ज्यादा उम्मीदवार निर्विरोध जीते

वोटिंग से पहले ही महायुति की आंधी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में महानगरपालिका चुनावों के लिए मतदान में अभी वक्त है, लेकिन महायुति की जीत की आंधी अभी से चलने लगी है। ठाणे महानगपालिका और कल्याण-डोंबिवली महानगपालिका में महायुति के 27 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। जलगांव चुनाव में बीजेपी और शिवसेना (शिंदे गुट) ने इतिहास रचते हुए 6-6 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली है। इसके अलावा भिवंडी व धुले में 4-4 और पुणे व अहिल्यानगर में एक-एक प्रत्याशी को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया है। वोटिंग से पहले ही मिली इस जीत से गठबंधन में जश्न का माहौल है। हालांकि सोलापुर में विवाद और हंगामा भी देखने को मिला।

पुणे : BJP ने निर्विरोध जीत से खाता खोला

पुणे महानगरपालिका चुनाव में भी बीजेपी ने जीत का खाता खोल दिया है। वोटिंग से पहले ही प्रभाग क्रमांक 35 से बीजेपी उम्मीदवार मंजुषा नागपुरे ने निर्विरोध जीत हासिल कर ली है। नामांकन वापसी के अंतिम दिन उनके विरोध में खड़े उम्मीदवारों के हटने से उनकी निर्विरोध जीत का रास्ता साफ हुआ। पुणे में बीजेपी की यह पहली सफलता है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

भिवंडी: अब तक बीजेपी के 6 कैंडिडेट जीते

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव में नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की है। आखिरी समय में हुए घटनाक्रम के बाद BJP के 5 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही भिवंडी में BJP के कुल 6 उम्मीदवार बिना मुकाबले जीत दर्ज कर चुके हैं। इस लिस्ट में एक अल्पसंख्यक मुस्लिम उम्मीदवार का शामिल होना भी खास माना जा रहा है, जिससे BJP की जीत को सामाजिक संतुलन के रूप में देखा जा रहा है। प्रभाग क्रमांक 18A से अश्विनी सन्नी फुटाणकर, 18B से दीपा दीपक मढवी, और 18C से अबूसाद अशफाक अहमद शेख ने निर्विरोध जीत हासिल कर अपना परचम लहराया है। साथ ही प्रभाग क्रमांक 16A से परेश (राजू) चौधुले और प्रभाग क्रमांक 23B से भारती हनुमान चौधरी भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं।

जलगांव: BJP और शिंदे सेना के 6-6 जीते

जलगांव महानगरपालिका में नामांकन वापसी के अंतिम दिन 12 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया, जिनमें भाजपा के 6 और शिवसेना (शिंदे गुट) के 6 प्रत्याशी शामिल हैं। कई प्रभागों में शिवसेना (ठाकरे गुट), NCP (शरद पवार गुट) और MNS के उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए, जिससे महायुति की राह आसान हो गई। निर्विरोध जीते प्रमुख उम्मीदवारों में बीजेपी से दीपमाला काले (प्रभाग 7A), डॉ। वीरेन खडके (प्रभाग 16A), उज्वला बेंडाले और विधायक सुरेश भोले के बेटे विशाल भोले शामिल हैं। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से सागर सोनवणे (प्रभाग 2A), गौरव सोनवणे, मनोज चौधरी और प्रतिभा देशमुख को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया है। इस एकतरफा जीत के बाद महानगरपालिका कार्यालय के बाहर बीजेपी और शिवसेना कार्यकर्ताओं ने गुलाल उड़ाकर और आतिशबाजी कर जोरदार जश्न मनाया।

कल्याण-डोंबिवली : महायुति का 'मास्टरस्ट्रोक', 20 पार्षद निर्विरोध जीते

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) चुनाव में नामांकन वापसी के आखिरी दिन बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। ठाकरे गुट, मनसे, कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के उम्मीदवारों की ओर से नामांकन वापस लिए जाने से सत्ताधारी महायुति को बड़ा फायदा हुआ है। शिवसेना (उद्धव गुट) के 6, मनसे के 5, एनसीपी (दोनों गुटों मिलाकर) के 5, कांग्रेस के 3, वंचित बहुजन आघाड़ी के 1 और RPI के 1 उम्मीदवार ने अपने आवेदन वापस लिए हैं। वर्तमान स्थिति के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के 14 और शिवसेना (शिंदे गुट) के 6 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। यानी चुनाव से पहले ही महायुति के कुल 20 पार्षद निर्विरोध चुन लिए गए हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से रमेश म्हात्रे, हर्षल राजेश मोरे, वृषाली रणजीत जोशी, विश्वनाथ राणे, ज्योती राजन मराठे और रेश्मा किरण निचल विजयी रहे हैं; वहीं भारतीय जनता पार्टी ने भारी बढ़त बनाते हुए रेखा राजन चौधरी, आसावरी नवरे, रंजना मितेश पेणकर, मंदा पाटिल, ज्योति पवन पाटिल, मुकुंद पेडणेकर, महेश बाबुराव पाटिल, साई शिवाजी शेलार, हर्षदा हृदयनाथ भोईर, जयेश म्हात्रे, दीपेश म्हात्रे, रवीना अमर माली, पूजा योगेश म्हात्रे और डॉ। सुनीता पाटिल सहित कुल 14 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित कराकर विपक्ष को चुनाव से पहले ही कड़ी शिकस्त दी है।

टीएमसी : शिंदे सेना के सात उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए

उम्मीदवारी वापस लेने के अंतिम दिन यानी 2 जनवरी को शिंदे सेना ने विपक्षी दलों को बड़ा झटका देते हुए 7 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली है। इन विजयी उम्मीदवारों में 6 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। निर्विरोध निर्वाचित होने वाले ये सभी सात उम्मीदवार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक के प्रभाव वाले क्षेत्रों से आते हैं। वार्ड संख्या 18 से जयश्री फाटक, सुखदा मोरे और राम रेपाले निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इसी वार्ड के पैनल से नीलेश लोहाटे का आवेदन वापस कराने के काफी प्रयास हुए, लेकिन अंतत: वे असफल रहे, जिसके कारण दीपक वेटकर निर्विरोध नहीं चुने जा सके। वहीं, सावरकरनगर (वार्ड नंबर 14) में समीकरण तब बदले जब एनसीपी (अजीत पवार गुट) की अरुणा पाटिल ने नाम वापस ले लिया और मनसे (MNS) उम्मीदवार रेशमा चौधरी का नामांकन रद्द हो गया, जिससे शिंदे सेना की शीतल धमाले की जीत का मार्ग प्रशस्त हुआ। ठाणे के अन्य हिस्सों में भी शिंदे गुट का दबदबा कायम रहा। किसाननगर (वार्ड 17) से एकता भोइर निर्विरोध चुनी गईं। वर्तकनगर (वार्ड 5) से जयश्री डेविड और सुलेखा चव्हाण ने बिना किसी विरोध के जीत हासिल की।

धुले : बीजेपी ने लगाया जीत का चौका

धुले महानगरपालिका चुनाव में भी बीजेपी ने वोटिंग से पहले ही जीत का चौका लगा दिया है। अब तक चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। कल तीन उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने के बाद, शुक्रवार को नामांकन वापसी के आखिरी दिन प्रभाग क्रमांक 17 से अमोल मासुले भी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इस जीत से गदगद मंत्री जयकुमार रावल ने दावा किया कि विपक्षी उम्मीदवार खुद फोन करके पीछे हट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्विरोध जीत का आंकड़ा अभी और बढ़ेगा।

अहिल्यानगर : बीजेपी को मिली पहली जीत

अहिल्यानगर महानगरपालिका चुनाव में भी मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। प्रभाग क्रमांक 7 (ब) से भाजपा उम्मीदवार पुष्पा अनिल बोरुडे निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गई हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) की उम्मीदवार श्रद्धा रवींद्र वाकले और निर्दलीय प्रत्याशी कविता दीपक खेडकर ने अपने नामांकन वापस लेने से उनकी जीत का रास्ता साफ हुआ। अहिल्यानगर के चुनाव में पुष्पा बोरुडे जीत का खाता खोलने वाली भाजपा की पहली महिला उम्मीदवार बन गई हैं। उनकी निर्विरोध जीत से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और नारेबाजी करते हुए जश्न मनाया।

निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों की राज्य चुनाव आयोग करेगा जांच

मुंबई। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में विपक्ष ने सत्ताधारी पार्टी पर नामांकन को लेकर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। राज्य चुनाव आयोग अब इन आरोपों की जांच कर रही है। चुनाव आयोग ने उन नगर निगमों की रिपोर्ट मांगी है जहां उनके उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। आयोग यहां उम्मीदवारों को निर्विरोध चुनाव जीतने की जांच करेगा। यह जानने की कोशिश करेगा कि कहीं विरोधियों पर नामांकन वापस लेने का दबाव तो नहीं बनाया गया या किसी तरह के लालच और जबरदस्ती तो नाम वापस नहीं करवाए गए।

राज्या चुनाव आयोग का क्या कहना है

राज्य चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग को सत्ताधारी पार्टियों और चुनाव मशीनरी द्वारा उम्मीदवारों को नामाकम दाखिल करने से रोकने की शिकायतें मिल रही हैं। कांग्रेस, जनता दल (एस) और आप के उम्मीदवारों ने आरोप लगाया है कि मुंबई के कोलाबा में तीन वार्डों में दबाव में उन्हें गैरकानूनी तरीके से नामांकन दाखिल करने से रोका गया। आयोग इन निकायों के नौ वार्डों से अधिकारियों से रिपोर्ट मांगेगा जहां उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। आयोग ने बताया हमें नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख, के बाद निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों के बारे में रिपोर्ट मिलेगी।

ब्रीफ न्यूज़

निकाय चुनाव : मतदान के लिए कर्मियों को देनी होगी छुट्टी

मुंबई। मुंबई और ठाणे सहित राज्य की सभी 29 महानगर पालिकाओं में 15 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए सभी निजी प्रतिष्ठानों, आईटी कंपनियों, मॉल्स, होटलों और औद्योगिक संस्थानों को अपने कर्मचारियों को सवैतनिक छुट्टी देना अनिवार्य कर दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार के श्रम विभाग द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के आदेशानुसार, यदि किसी विशेष परिस्थिति में पूरे दिन का अवकाश देना संभव न हो, तो संबंधित संस्थान को अपने कर्मियों को मतदान के लिए कम से कम दो से तीन घंटे की अनुमति देनी होगी; इस नियम का उल्लंघन करने वाले या छुट्टी न देने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब के पूर्व IG से 8 करोड़ की ठगी

भाईंदर। पंजाब के सेवानिवृत्त पुलिस आईजी (IG) अमर सिंह चहल के साथ हुई 8.10 करोड़ रुपये की साइबर ठगी ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। ठगी से परेशान होकर पूर्व आईजी ने 22 दिसंबर को आत्महत्या की कोशिश की थी। इस गंभीर मामले की जांच करते हुए पटियाला पुलिस ने तकनीकी सबूतों के आधार पर ठाणे जिले और मुंबई में छापेमारी की, जिसमें सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने मीरा-भायंदर भाजपा युवा मोर्चा के नवघर मंडल अध्यक्ष रंजीत नमरदार सिंह उर्फ 'शेरा ठाकुर' को गिरोह के मुखिया के रूप में गिरफ्तार किया। पुलिस जांच के अनुसार, ठगी की गई कुल राशि में से 1.10 करोड़ रुपये सीधे शेरा ठाकुर के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। आरोपी मूल रूप से वाराणसी का रहने वाला है और लंबे समय से राजनीतिक रसूख की आड़ में सक्रिय था।

10 रुपये में खाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर शौचालय...

ठाकरे भाइयों का 'मुंबई विजन'

▸▸ यूबीटी और मनसे ने घोषणा पत्र की बड़ी योजनाओं को किया साझा

▸▸ दो से तीन दिन में आएगा पूरा घोषणा पत्र

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की सत्ता पर फिर से 'मराठी मानुष' का परचम लहराने के लक्ष्य के साथ शिवसेना (UBT) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने अपना साझा चुनावी एजेंडा पेश किया है। वर्ली से विधायक आदित्य ठाकरे और मनसे नेता अमित ठाकरे ने स्पष्ट किया कि यह गठबंधन केवल चुनाव के लिए नहीं, बल्कि मुंबई की अस्मिता बचाने के लिए है। 15 जनवरी को होने वाले मतदान से पहले इस घोषणा पत्र ने चुनावी सरगर्मी बढ़ा दी है।

घरेलू सहायिकाओं को 'स्वाभिमान निधि' और 10 रुपये में भोजन

गठबंधन ने महिला सशक्तिकरण के लिए 'लाडली बहन योजना' की तर्ज पर 'स्वाभिमान निधि' शुरू करने का वादा किया है। इसके तहत घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह का भत्ता दिया जाएगा। इसके साथ ही, शिवसेना की 'मां साहब' मीनाताई ठाकरे के नाम पर 'मां साहब रसोईघर' स्थापित किए जाएंगे, जहाँ मुंबईकरों को मात्र 10 रुपये में नाश्ता और दोपहर का भोजन मिलेगा। यह योजना पिछली 'शिव भोजन थाली' का ही एक आधुनिक और विस्तृत रूप होगी।

700 वर्ग फुट तक टैक्स माफी और सस्ता परिवहन

घोषणा पत्र में मध्यवर्गीय मुंबईकरों को बड़ी राहत देते हुए 700 वर्ग फुट तक के घरों पर संपत्ति कर (Property Tax) पूरी तरह माफ करने का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए BEST बसों का न्यूनतम किराया 10 रुपये से घटाकर 5 रुपये करने का वादा किया गया है। आदित्य ठाकरे ने जोर देकर कहा कि गठबंधन मुंबई की सड़कों पर 10,000 इलेक्ट्रिक बसें उतारेगा और 'हाथ दिखाओ, बस रोको' जैसी पुरानी सेवाओं को फिर से शुरू किया जाएगा, ताकि यातायात को सुलभ बनाया जा सके।

स्वास्थ्य और शिक्षा का नया मॉडल

स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव के लिए मुंबई में 5 नए मेडिकल कॉलेज और एक अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल स्थापित करने की योजना साझा की गई है। शिक्षा के क्षेत्र में, बीएमसी स्कूलों को जूनियर केजी से लेकर 12वीं कक्षा तक विस्तारित किया जाएगा ताकि गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इसके अलावा, वर्किंग पेरेंट्स के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में 'क्रेच' (बाल देखभाल केंद्र) और गिग वर्कर्स (डिलीवरी पार्टनर्स) को ई-बाइक खरीदने के लिए 25,000 रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने जैसे आधुनिक वादे भी इस मास्टरप्लान का हिस्सा हैं।

हिंदू और मराठी होगा अगला मेयर : मुख्यमंत्री फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीएमसी चुनाव के लिए महायुति का एजेंडा स्पष्ट करते हुए घोषणा की है कि मुंबई का अगला मेयर न केवल सत्तारूढ़ गठबंधन से होगा, बल्कि वह 'हिंदू और मराठी' भी होगा। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब 15 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस बयान को भाजपा और शिंदे सेना की ओर से मराठी मतदाताओं को साधने और हिंदुत्व के मुद्दे पर अपनी पकड़ मजबूत करने के एक बड़े सियासी दांव के रूप में देखा जा रहा है।

उद्धव और राज ठाकरे के 'मराठी कार्ड' का जवाब

मुख्यमंत्री का यह रुख दरअसल शिवसेना और मनसे के उस आक्रामक प्रचार का जवाब माना जा रहा है, जिसमें वे लगातार 'मराठी अस्मिता' का मुद्दा उठा रहे हैं। हाल ही में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या भाजपा किसी गैर-मराठी चेहरे को मेयर पद के लिए आगे बढ़ा सकती है। फडणवीस ने इस पर पूर्णविराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया।

कृपाशंकर सिंह के बयान पर सफाई और डैमेज कंट्रोल

मेयर पद को लेकर विवाद तब शुरू हुआ था जब भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह के एक कथित बयान को उत्तर भारतीय मेयर से जोड़कर देखा जाने लगा। इस पर सफाई देते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कृपाशंकर सिंह का बयान मुंबई के संदर्भ में नहीं था और वे पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता नहीं हैं। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि मुंबई की परिस्थितियां अन्य नगर निगमों से भिन्न हैं और यहाँ का नेतृत्व केवल वही करेगा जो यहाँ की मिट्टी और संस्कृति (मराठी और हिंदू) से गहराई से जुड़ा हो।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

पालघर की दूसरी सुरंग पूरी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली/पालघर

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना (MAHSR) ने शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 को एक और ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में 1.5 किलोमीटर लंबी 'माउंटेन टनल-5' (MT-5) के अंतिम ब्रेकथ्रू (खुदाई का कार्य पूरा होना) को देखा। यह सुरंग विरार और बोइसर स्टेशनों के बीच स्थित है और पालघर जिले की सबसे लंबी पहाड़ी सुरंगों में से एक है।

महाराष्ट्र की पहली पहाड़ी सुरंग और तकनीकी विशेषताएं

रेल मंत्री ने इस उपलब्धि को परियोजना के लिए 'मील का पत्थर' बताया। महाराष्ट्र में यह दूसरी सफल सुरंग है; इससे पहले सितंबर 2025 में ठाणे और बीकेसी के बीच 5 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का काम पूरा किया गया था। MT-5 सुरंग की खुदाई आधुनिक 'ड्रिल एंड ब्लास्ट' पद्धति से मात्र 18 महीनों में पूरी की गई है। रेल मंत्री ने कहा कि इस ब्रेकथ्रू के बाद अब ठाणे से अहमदाबाद तक का पूरा हिस्सा तकनीकी रूप से स्पष्ट हो गया है।

चिंताजनक

▸▸ 2025 में 21,77,524 शिकायतें आईं, महाराष्ट्र के लोग हुए सबसे अधिक शिकार

जालसाजों ने छह साल में भारतीयों से ठगे 53 हजार करोड़

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत सरकार के एक आंकड़े के मुताबिक पिछले छह सालों में विभिन्न धोखाधड़ी और जालसाजी मामलों में भारतीयों ने 52,976 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। ये आंकड़ा गृह मंत्रालय के आई4सी विभाग ने जारी किया है। ये आंकड़े देशभर में वित्तीय धोखाधड़ी जिनमें निवेश जाल, डिजिटल गिरफ्तारी, ऑनलाइन घोटाले, बैंकिंग धोखाधड़ी और साइबर फ़िशिंग जैसे मामले शामिल हैं।

यह राज्य सबसे अधिक लूटा

पिछले साल दर्ज साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों पर गौर किया गया तो पता चला है कि देशभर की तुलना महाराष्ट्र के लोगों को इन धोखाधड़ी से संबंधित अपराधों में सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र 3,203 करोड़ रुपये के नुकसान और 28,33,20 शिकायतों के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर रहा, इसके बाद कर्नाटक 2,413 करोड़ रुपये के नुकसान और 21,32,28 शिकायतों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

2025 में अकेले 19 हजार करोड़ से अधिक ठगी

राष्ट्रीय अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक साल 2025 में करीब 19812 .96 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई और इससे संबंधित 21,77,524 शिकायतें आईं। वहीं, एक सीनियर अधिकारी ने इस पर बात करते हुए कहा कि साल 2024 में करीब 22,848 .49 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई और इसकी 19,188,52 शिकायतें दर्ज हुईं। साल 2023 में करीब 7,463 .2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और 13,103,61 शिकायतें आईं। साल 2022 में करीब 2,290 .23 करोड़ रुपये नुकसान हुआ और 69,44,46 शिकायतें आईं।

चुनावी माहौल में तीखे सियासी हमले

'मुंबई के लुटेरे आप, रखवाले हम' - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का उबाठा प्रमुख पर हमला

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिना नाम लिए उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोला। शिंदे ने कहा, 'मुंबई के लुटेरे आप हैं और उसके रखवाले हम हैं।' उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आते ही कुछ लोगों को अचानक मुंबई और मराठी मानुष की याद आने लगती है, लेकिन उन्होंने आज तक मुंबई और मराठी समाज के लिए क्या किया, इसका जवाब जनता को देना चाहिए। शिंदे ने आरोप लगाया कि विरोधियों के शासनकाल में मराठी मानुष को मुंबई से बाहर धकेला गया। उन्होंने कहा कि अब उनकी सरकार मराठी लोगों

को फिर से मुंबई में स्थापित करने का काम कर रही है। भावनात्मक मुद्दों के सहारे मुंबईकरों को गुमराह करने की कोशिश हो रही है, लेकिन विकास के कामों पर बात होनी चाहिए।

भावनात्मक राजनीति पर निशाना

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केवल चुनाव के समय मराठी प्रेम दिखाने के बजाय यह आत्ममंथन होना चाहिए कि मुंबई से मराठी लोग बाहर जाने के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भावनात्मक अपील के जरिए जनता को भ्रमित किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह को लेकर विपक्ष की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए शिंदे ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां निंदनीय हैं और यह सिर्फ चुनावी राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भावनात्मक मुद्दों पर राजनीति करना सही नहीं है।

शिवसेना-भाजपा महायुती को बढ़त

ठाणे महानगरपालिका चुनाव के संदर्भ में शिंदे ने कहा कि शिवसेना–भाजपा महायुती के सात नगरसेवक निर्विरोध चुने गए हैं, जो जीत की शुरुआत है। उन्होंने सभी निर्वाचित नगरसेवकों को बधाई दी और विश्वास जताया कि 15 जनवरी को ठाणे मनपा पर महायुती का भगवा फहरेगा। शिंदे ने बताया कि कल्याण–डोंबिवली, जलगांव समेत अन्य स्थानों पर भी महायुती के कई नगरसेवक निर्विरोध चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि निर्विरोध चुनाव कार्य की स्वीकृति होती है और जहां विपक्ष को हार तय नजर आती है, वहां वे पीछे हट जाते हैं।

मुंबई विकास पर विपक्ष से सवाल

मुंबई के विकास को लेकर शिंदे ने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि वे एक भी ठोस विकास कार्य दिखाएं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने गड्ढामुक्त और कंक्रीट सड़कें बनाईं, मेट्रो परियोजनाएं शुरू कीं, कोस्टल रोड पूरा किया और रुके हुए प्रोजेक्ट्स को गति दी। प्रधानमंत्री के मुंबई को ग्लोबल फिनटेक हब बनाने के विजन के तहत महाराष्ट्र में बड़े निवेश आए हैं। मराठी–गुजराती विवाद खड़ा कर हिंदुओं में फूट डालने की कोशिशों पर शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने कभी ऐसी राजनीति नहीं की। उन्होंने विकास की राजनीति करने और भावनात्मक मुद्दों पर लोगों को गुमराह न करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विश्वास जताया कि महानगरपालिका चुनावों में महायुती को स्पष्ट बहुमत मिलेगा, ठाणे महायुती का गढ़ बना रहेगा और 16 जनवरी को पूरे राज्य में महायुती का भगवा लहराएगा।

टीबी-फ्री ठाणे के लिए स्वास्थ्य विभाग की मुहिम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भारत और महाराष्ट्र सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार ठाणे ज़िले में नेशनल टीबी एलिमिनेशन प्रोग्राम (NTEP) को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव के मार्गदर्शन में तथा जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार, जिला मेडिकल अधिकारी डॉ. गंगाधर परगे और जिला टीबी इंचार्ज डॉ. दिनेश सुतार की देखरेख में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत टीबी की जल्दी पहचान, मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज, नियमित दवा, पोषण सहायता और इलाज पूरा होने तक मरीजों के निरंतर फॉलो-अप पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इलाज में निरंतरता बनाए रखने के लिए मरीजों को काउंसलिंग और मार्गदर्शन दिया जा रहा है, वहीं पूरी प्रक्रिया पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

AI एक्स-रे से बड़े पैमाने पर जांच

टीबी फ्री इंडिया अभियान और मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के अंतर्गत ज़िले की हाई-रिस्क आबादी की बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग की जा रही है। इसके लिए AI-बेस्ड हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के माध्यम से गांव-गांव शिविर लगाए जा रहे हैं। जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच ज़िले में 14,080 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें से 2,493 लोग संदिग्ध पाए गए। संदिग्ध पाए गए लोगों में से 1,937 के बलगम सैंपल की जांच की गई, जिसमें 23 मरीज टीबी से संक्रमित पाए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, AI एक्स-रे और बलगम जांच के संयोजन से मरीजों की शीघ्र पहचान संभव हो रही है, जिससे उन्हें तुरंत इलाज के दायरे में लाया जा रहा है।

कुछ तालुकाओं में अधिक मामले

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, बदलापुर, भिवंडी, कल्याण, मुरबाद और शाहपुर तालुकाओं में बड़ी संख्या में एक्स-रे जांच की गई है। इनमें भिवंडी और मुरबाद तालुकाओं में तुलनात्मक रूप से अधिक टीबी मरीज पाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस डेटा के आधार पर अधिक जोखिम वाले इलाकों पर फोकस कर जांच और इलाज को और प्रभावी बनाया जा रहा है।

'मैं मतदान का अधिकार निभाऊंगा' - हस्ताक्षर अभियान से मतदान जागरूकता का संदेश

आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने किया स्वाक्षर अभियान का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 के तहत 'स्वीप' (Systematic Voters' Education and Electoral Participation) कार्यक्रम के अंतर्गत शहरभर में मतदान जागरूकता के लिए बड़े पैमाने पर 'स्वाक्षर अभियान' चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में 'मतदान मेरा अधिकार है और मैं इसे निभाऊंगा' संदेश वाले स्वाक्षर फलक पर नगर आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी डॉ. कैलास

शिंदे ने हस्ताक्षर कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने नवी मुंबई के मतदाताओं से 15 जनवरी को अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

वरिष्ठ अधिकारियों ने दिया मतदान का संदेश

इस अवसर पर मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक एवं महाराष्ट्र पेट्रोकेमिकल्स महामंडल के प्रबंध निदेशक डॉ. भाऊसाहेब दांगड़े ने भी फलक पर हस्ताक्षर कर मतदान का संदेश दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार, डॉ. राहुल गेठे, शहर अभियंता शिरीष आरदवाड, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सत्यवान उबाले, उपआयुक्त किसनराव पलांडे सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगाए गए स्वाक्षर फलक

महानगरपालिका द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत शहर के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 'मतदान मेरा अधिकार है और मैं इसे निभाऊंगा' संदेश वाले स्वाक्षर फलक लगाए गए हैं। इन फलक पर नागरिक हस्ताक्षर कर मतदान करने का संकल्प ले रहे हैं और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

भाजपा ने बागियों को मनाने में हासिल की सफलता

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव में 2 जनवरी को नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि थी। मिली जानकारी के अनुसार कुल 113 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इस प्रक्रिया में भाजपा को अपने पुराने नगरसेवकों और मजबूत कार्यकर्ताओं को मनाने में सफलता मिली है। भाजपा शहर इकाई ने पूर्व नगरसेवक चंद्रकांत वैती, डॉ. सुशील अग्रवाल, डॉ. प्रीति पाटिल, दिपाली मोकाशी के साथ-साथ बालेस्टर सिंह, रोहित गुप्ता और प्रकाश जैन जैसे अन्य पुराने कार्यकर्ताओं को बगावत करने से रोकने में सफलता हासिल की। इस कदम के बिना, भाजपा के 70 पार का सपना शायद अधूरा रह जाता।

भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन ने कहा कि 'पार्टी की मजबूत संगठनात्मक संरचना और प्रभावी नेतृत्व के कारण ही हम सफल हुए हैं। कट्टर भाजपाई नाराज हो सकता है, लेकिन सपने में भी पार्टी का अहित कभी नहीं सोचेगा। हमारे लिए पहले राष्ट्र, फिर दल और अंत में हम हैं।'

पूर्व नगरसेवक डॉ. सुशील अग्रवाल ने कहा मुझे तीसरी बार टिकट नहीं मिलने पर मन में दुख था, लेकिन मैं कट्टर भाजपाई हूं। इसलिए पार्टी का हित मेरे लिए सर्वोपरि है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष बालेस्टर सिंह ने कहा पार्टी के हित में मैंने नाम वापस लिया है और प्रभाग 1 से खड़े भाजपा के चारों उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए पूरी मेहनत करूंगा। इस चुनाव में भाजपा की विजय निश्चित है और एक बार फिर मनपा की सत्ता हमारी होगी।

मंदिर के पास देश विरोधी गाना बजाने के आरोप में एक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले के नायगांव में स्थित चिंचोटी इलाके में मंदिर के पास लाउडस्पीकर पर भड़काऊ देश विरोधी गाना 'कश्मीर बनेगा पाकिस्तान' बजाने के आरोप में पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। इस घटना की छानबीन नायगांव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

इस घटना की जांच कर रहे पुलिस उपनिरीक्षक पंकज किलजे ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को चिंचोटी इलाके में स्थित करमदपाड़ा में स्थित रुहान हेयर कटिंग सैलून में अब्दुल रहमान सदरुद्दीन शाह (25) देश विरोधी गाना 'कश्मीर बनेगा पाकिस्तान' गाना बजा रहा था। यह गाना, जो एक मोबाइल फोन से ब्लूटूथ के ज़रिए सैलून के लाउडस्पीकर पर बजाया जा रहा था और सडक़ पर भी सुनाई दे रहा

था, जिससे स्थानीय लोगों में रोष फैल गया था। स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और उसका मोबाइल, लाउडस्पीकर भी बरामद कर लिया है। आरोपित मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के लालगंज तहसील के गौरी सिराजपुर गांव का रहने वाला है। जांच में पता चला कि शाह अपने टेक्नो स्पार्क गो 2021 फोन पर यूट्यूब ऐप से गाना स्ट्रीम कर रहा था। इस मामले की हर ऐंगल से गहन छानबीन की जा रही है।

बेलापुर विभाग में प्रभाग 25 से 28 के लिए नियुक्त कर्मचारियों का प्रशिक्षण

- अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका के चुनावी कार्य के लिए नियुक्त कर्मचारियों का प्रशिक्षण 1 जनवरी से नेरुल विभाग से शुरू हो चुका है। इसी क्रम में 2 जनवरी को बेलापुर विभाग के प्रभाग क्रमांक 25, 26, 27 और 28 में नियुक्त कर्मचारियों का प्रशिक्षण सत्र वाशी स्थित विष्णुदास भावे

नाट्यगृह में आयोजित किया गया। बेलापुर विभाग की निर्वाचन निर्णय अधिकारी प्रीति पाटील के नियंत्रण में 25 स्थानों पर स्थित 158 मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त कर्मचारियों को चुनाव संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। मतदान एवं मतगणना कार्य के नोडल अधिकारी उप आयुक्त संघरत्ना खिल्लारे के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण की सभी व्यवस्थाएं सहायक निर्वाचन निर्णय अधिकारी एवं तहसीलदार अमित पूरी, सहायक आयुक्त तथा बेलापुर विभाग अधिकारी प्रशांत नेरकर और कार्यकारी अभियंता मदन वाघचौडे के सहयोग से की गईं।

इस वर्ष पहली बार बहुसदस्यीय प्रभाग पद्धति से चुनाव कराए जा रहे हैं। बेलापुर विभाग के प्रभाग 25, 26 और 27 में 'अ, ब, क, ड' चार सीटें हैं, जहां प्रत्येक मतदाता को चार मत देने होंगे। वहीं प्रभाग 28 में 'अ, ब, क' तीन सीटें हैं, जहां प्रत्येक मतदाता तीन मत डालेगा। इस नई प्रणाली को लेकर नागरिकों में पहले से ही विभिन्न माध्यमों से जागरूकता फैलाई जा रही है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान कर्मचारियों को इस पद्धति के साथ-साथ संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। सहायक निर्वाचन अधिकारी अमित पूरी ने मतदान केंद्रों पर नियुक्त केंद्राध्यक्ष और मतदान अधिकारी 1, 2 व 3 को विशेष प्रशिक्षण दिया।

ईवीएम का प्रायोगिक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान बेलापुर विभाग में चुनावी कार्य के लिए नियुक्त क्षेत्रीय अधिकारियों के माध्यम से सभी कर्मचारियों को ईवीएम मशीन का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशासन एवं चुनावी कार्य में मानव संसाधन के नोडल अधिकारी उप आयुक्त किसनराव पलांडे ने बताया कि चुनावी ड्यूटी प्रत्येक कर्मचारी का राष्ट्रीय कर्तव्य है, इसलिए नियुक्ति आदेश मिलने के बाद प्रशिक्षण में उपस्थित रहना अनिवार्य है।

बिना विरोध के चुनाव, मतदाता के साथ बड़ा धोखा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा चुनाव में शिवसेना (शिंदे गुट) और भाजपा अलायंस के उम्मीदवारों को बिना किसी विरोध के जितवाने के आरोप लगे हैं। मनसे नेता अविनाश जाधव ने इस कदम को एंटी-डेमोक्रेटिक करार देते हुए इसे मतदाता के साथ बड़ा धोखा बताया। विरोध स्वरूप, मनसे ने शुक्रवार को भारत रत्न

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास काले रिबन बांधकर प्रदर्शन किया। मनसे का आरोप है कि शिवसेना-भाजपा गठबंधन ने सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर विरोधी उम्मीदवारों को रिजेक्ट किया और फिर 7 उम्मीदवारों को बिना विरोध के जितवा दिया। इनमें से 4 उम्मीदवार शिंदे गुट के करीबी हैं। इस प्रक्रिया में विवादास्पद अधिकारी वृषाली पाटिल का भी नाम सामने आया है, जिनके खिलाफ मनसे ने पहले ही शिकायत दर्ज कराई थी।

स्वीप टीम ने कलवा में चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

'मतदाता इस गद्दी का राजा है' और 'लोकतंत्र की डोर बनो' जैसे संदेशों के साथ ठाणे मनपा क्षेत्र के कलवा प्रभाग में स्वीप (SVEEP) टीम के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नागरिकों से 15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे मनपा चुनाव में अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की गई। स्वीप टीम द्वारा ठाणे मनपा के स्कूल क्रमांक 69, 70 और 115 में मतदाता जागरूकता

कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों को मतदान के महत्व, संविधान द्वारा प्रदत्त मतदान अधिकार और 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद वोट देने की पात्रता के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों और शिक्षकों ने मतदान करने की शपथ ली।

आयुक्त के निर्देश पर चला अभियान

यह अभियान मनपा आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव के निर्देशानुसार तथा स्वीप पहल की नोडल अधिकारी मिताली संचेती के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलवा प्रभाग के स्कूलों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर कलवा प्रभाग समिति की सहायक आयुक्त ललिता जाधव ने भी उपस्थित लोगों को मतदान की अहमियत समझाई।

पेंटिंग प्रतियोगिता के जरिए दिया मतदान संदेश

इसी क्रम में कलवा मनपा स्कूल नंबर 29 में छात्रों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने 'Vote for India' का संदेश देते हुए रचनात्मक चित्र बनाए और मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। स्वीप टीम ने छात्रों को यह भी प्रेरित किया कि वे अपने माता-पिता और परिवारजनों को मतदान के लिए प्रेरित करें।

स्वीप अभियान के तहत नवी मुंबई में 2 हजार से अधिक छात्रों ने पत्र लिखकर मतदान की अपील की

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव इस बार पहली बार बहु-सदस्यीय प्रभाग प्रणाली के तहत कराए जा रहे हैं। इस नई मतदान प्रणाली को लेकर नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न माध्यमों से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मतदाता जागरूकता के स्वीप (SVEEP) अभियान के तहत स्कूलों में भी अभिनव गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। स्वीप अभियान के अंतर्गत नवी मुंबई महानगरपालिका स्कूल क्रमांक 36 और 122, कोपरखैरणे गांव में एक अनोखा पत्र लेखन अभियान चलाया गया। इसके तहत 2,026 से अधिक छात्रों ने पोस्टकार्ड पर पत्र लिखकर अपने माता-पिता, परिवारजनों और रिश्तेदारों से 15 जनवरी को

होने वाले नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में मतदान करने की अपील की। छात्रों ने पत्रों के माध्यम से अपने भविष्य के लिए मतदान को जरूरी बताया।

अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

यह अभिनव पहल स्वीप अभियान के नोडल अधिकारी व उप आयुक्त डॉ. अजय गडदे और शिक्षा विभाग की उप आयुक्त संघरत्ना खिल्लारे के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा अधिकारी अशोक कडूस, शिक्षा विस्तार अधिकारी सुलभा बारघरे, केंद्र समन्वयक जयप्रकाश सिंह, स्कूल के मुख्याध्यापक संख्ये और डॉली चराटकर के सहयोग से किया गया। डिजिटल युग में जहां संदेशों का आदान-प्रदान मुख्य रूप से ऑनलाइन माध्यमों से हो रहा है, वहीं इस अभियान के जरिए पारंपरिक पत्र लेखन के महत्व को भी रेखांकित किया गया। पत्र के माध्यम से दिया गया संदेश अधिक आत्मीय और प्रभावशाली होता है, इसी सोच के साथ छात्रों को पत्र लेखन के जरिए मतदान के प्रति जागरूक किया गया।

शिक्षकों का रहा अहम योगदान

इस अभियान की सफलता में स्कूल के कला-प्रेमी शिक्षक प्रशांत गाडेकर ने महत्वपूर्ण समन्वयक की भूमिका निभाई। उन्हें संतोष मळेकर, अन्य शिक्षकों और समूह संगठकों का भरपूर सहयोग मिला।

'हमारे भविष्य के लिए 15 जनवरी को मतदान करें'

मतदान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। कोपरखैरणे गांव स्थित मनपा स्कूलों के छात्रों ने पत्र लेखन जैसे रचनात्मक माध्यम के जरिए 'हमारे भविष्य के लिए 15 जनवरी को अधिकारपूर्वक मतदान करें' का सशक्त संदेश दिया।

शिवसेना के 7 उम्मीदवारचुने गए निर्विरोध

यह तो ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है: शायना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शायना एन.सी. ने मुंबई में एक महत्वपूर्ण पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए महायुति सरकार की 'समावेशी विकास' नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार ने अल्पसंख्यक समाज को महज 'वोट बैंक' न मानकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। शायना ने स्पष्ट किया कि शिंदे सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए आवंटित निधि अब तक की किसी भी सरकार की तुलना में सर्वाधिक है।

मदरसा आधुनिकीकरण और छात्रवृत्ति पर बड़ा निवेश

शायना एन.सी. ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत प्रति मदरसा 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। इसके साथ ही, मदरसा शिक्षकों के मानदेय में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए उसे 18,000 रुपये किया गया है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को 50,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति और उच्च शिक्षा के लिए विदेशी छात्रवृत्ति का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मौलाना आजाद आर्थिक विकास महामंडल की निधि को बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

महानगरपालिका चुनावों में महायुति का 'क्लीन स्वीप' तय

शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शायना एन.सी. ने विश्वास जताया है कि आगामी महानगरपालिका चुनावों में महायुति गठबंधन की जीत तय है। महानगरपालिका चुनाव से पहले ही शिवसेना के 7 नगरसेवक निर्विरोध चुने जा चुके हैं।शायना एन.सी. ने दावा किया कि राज्य की 29 महानगरपालिकाओं पर महायुति गठबंधन की जीत होगी। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के प्रभाग क्रमांक 24 से रमेश म्हात्रे, विश्वनाथ राणे और वृषाली जोशी निर्विरोध चुने गए हैं। इसके अलावा प्रभाग क्रमांक 28 से हर्षल मोरे निर्विरोध चुने गए। वहीं जलगांव महानगरपालिका के प्रभाग क्रमांक 18 से गौरव सोनवणे, प्रभाग क्रमांक 9 से मनोज चौधरी और प्रतिभा देशमुख शिवसेना के नगरसेवक निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

'लाड़ली बहन' और सामाजिक न्याय का उदाहरण

प्रवक्ता ने कहा कि 'लाड़ली बहन योजना' का लाभ लाखों अल्पसंख्यक महिलाओं को मिल रहा है, जो उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर है। उन्होंने विपक्ष पर प्रहार करते हुए मानवता का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे शिवसेना ने पहलगाम आतंकी हमले में परिवारों की रक्षा करने वाले सईद आदिल हुसैन शाह को घर बनाकर दिया। इसके अतिरिक्त, जैन आर्थिक विकास मंडल को मान्यता और बौद्ध संस्थानों को 10 लाख रुपये का अनुदान देना सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति को दर्शाता है।

नरेंद्र ए. पाटील बने पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक

मुंबई। भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) के 1995 बैच के अधिकारीनरेंद्र ए. पाटील ने 01 जनवरी 2026 को पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (SDGM) का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले वे पश्चिम रेलवे में मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे।

नरेन्द्र ए. पाटील ने अपने पूर्व कार्यकाल में पश्चिम रेलवे के मुख्य माल परिवहन प्रबंधक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके चलते रेलवे ने 100 मिलियन टन माल लदान का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

पाटील को भारतीय रेल में 27 वर्षों से अधिक का अनुभव है, जिसमें परिचालन, वाणिज्य, संरक्षा, योजना और जनसंपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। उनके प्रमुख पदों में मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (मध्य रेलवे), कार्यकारी निदेशक – रेलवे बोर्ड, वरिष्ठ मंडल परिचालन एवं वाणिज्य प्रबंधक शामिल हैं। पुणे यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक पाटील ने INSEAD (सिंगापुर/कुआलालंपुर) और LUTP (सिंगापुर एवं हांगकांग) जैसे प्रतिष्ठित प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर नेतृत्व क्षमता को और मजबूत किया। भारतीय रेल में उनके योगदान के लिए उन्हें 2014 में राष्ट्रीय रेलवे (रेल मंत्री) पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा, उन्हें वर्ष 2007, 2010 और 2013 में महाप्रबंधक पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

ठाकरे बंधुओं ने जारी किया 16 सूत्रीय 'वचननामा'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (UBT) और मनसे (MNS) के ठाकरे बंधुओं ने मुंबईवासियों के लिए 16 सूत्रीय विकास योजना पेश की है। आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे ने इसे 'ठाकरे का वचन' करार दिया और कहा कि यह योजना आम जनता के जीवन को आसान और किफायती बनाएगी।दादर के शिवसेना विधायक भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदित्य और अमित ठाकरे ने पहली बार एक मंच साझा किया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन के पास पैसा है, लेकिन उनके पास निष्ठा और अनुभव है।

टैक्स माफी और मुफ्त बिजली-पानी

घोषणापत्र में कहा गया कि 700 वर्ग फुट तक के घरों पर संपत्ति कर माफ किया जाएगा। घरेलू उपयोग के लिए 100 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी और पानी की कीमतें स्थिर रहेंगी। बीएमसी द्वारा चलाए जाने वाले बेस्ट बसों की टिकट दरें घटाकर 5, 10, 15 और 20 रुपये की जाएंगी।गृहिणियों के लिए 'आत्मसम्मान निधि' के तहत 1,500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया गया। कामकाजी महिलाओं के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में डेकेयर सेंटर और हर 2 किलोमीटर पर आधुनिक शौचालय बनाए जाएंगे। युवाओं के लिए स्वरोजगार सहायता निधि 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक, और गिग वर्कर्स व डब्बावालों को ई-बाइक के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य और मुंबई का गौरव

नगर निगम स्कूलों में जूनियर कॉलेज की शुरुआत होगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कैंसर अस्पताल और 5 नए मेडिकल कॉलेज बनाए जाएंगे। सरकारी जमीन पर 5 वर्षों में 1 लाख किफायती घर बनाए जाएंगे। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के नाम पर देश का सबसे बड़ा पुस्तकालय बनाया जाएगा। खेल प्रेमियों के लिए हर वार्ड में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और जिम बनाए जाएंगे। संगीत और क्रिकेट प्रेमियों के लिए 1 प्रतिशत सीटें लॉटरी के माध्यम से मुफ्त दी जाएंगी। पालतू जानवरों के लिए विशेष क्लीनिक, पार्क और एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जाएगी। इस योजना के जरिए ठाकरे बंधु मुंबईवासियों के जीवन को हर क्षेत्र में बेहतर बनाने का दावा कर रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

महायुति सरकार का ऐतिहासिक फैसला

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे की पहल

मुंबई। स्वराज्यरक्षक धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की पुणे जिले के वढू बुद्रुक (तहसील शिरूर) स्थित समाधि स्थल के विकास के लिए महायुति सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश के बाद, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे की पहल से पुणे के के.ई.एम. अस्पताल के स्वामित्व वाली वढू बुद्रुक की जमीन अब समाधि स्थल के विकास हेतु उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही यह घोषणा कर चुके हैं कि पुणे जिले के तुलापुर और वढू बुद्रुक के विकास आराखड़े में ग्रामवासियों के सुझावों को शामिल किया जाएगा। इन दोनों ऐतिहासिक स्थलों के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में 532.51 करोड़ रुपये की लागत से विकास आराखड़ा तैयार किया गया है।

के.ई.एम. अस्पताल की जमीन होगी हस्तांतरित

राजस्व विभाग द्वारा जारी शासन निर्णय के अनुसार, के.ई.एम. अस्पताल की वढू बुद्रुक स्थित गट नंबर 447 और 448 की कुल 0.87 हेक्टेयर 20 आर जमीन तत्काल छत्रपति संभाजी महाराज समाधि स्थल के कार्य के लिए हस्तांतरित की जाएगी। इसके बदले सरकार ने के.ई.एम. अस्पताल को कोंढापुरी (तहसील शिरूर) स्थित गट नंबर 655 की 0.81 आर जमीन 'भोगवटादार वर्ग-2' के तहत कब्जा अधिकार के साथ देने की मंजूरी दी है। कोंढापुरी की यह जमीन अस्पताल को 'विशेष प्रकरण' के रूप में राजस्व मुक्त और भोगवटा मूल्य रहित प्रदान की गई है।

ग्रांट रोड–मुंबई सेंट्रल के बीच 03/04 जनवरी को मेजर ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने ग्रांट रोड और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन स्लो लाइनों पर 13 घंटे का मेजर ब्लॉक लिया है। यह ब्लॉक ब्रिज नंबर 5 के री-गर्डरिंग कार्य के लिए शनिवार/रविवार, 03/04 जनवरी 2026, रात 11 बजे से 04 जनवरी दोपहर 12 बजे तक रहेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इस अवधि में मुंबई सेंट्रल और चर्चगेट के बीच अप स्लो लाइन की ट्रेनें अप फास्ट लाइन पर चलाई जाएंगी। इसी प्रकार, चर्चगेट और माहिम के बीच डाउन स्लो लाइन की ट्रेनें डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट होंगी। प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता और लंबाई की सीमाओं के कारण महालक्ष्मी, प्रभादेवी, माटुंगा रोड, लोअर परेल और माहिम स्टेशनों पर कुछ ट्रेनें नहीं रुकेंगी।

पश्चिम रेलवे
WESTERN RAILWAY

यात्रियों के लिए विकल्प

ब्लॉक अवधि के दौरान यात्रियों को बांद्रा/दादर से महालक्ष्मी, लोअर परेल, प्रभादेवी, माटुंगा रोड और माहिम स्टेशनों तक ऑपोज़िट दिशा में यात्रा करने की अनुमति होगी। उदाहरण के लिए, चर्चगेट से महालक्ष्मी, लोअर परेल और प्रभादेवी जाने वाले यात्री दादर स्टेशन पर उतरकर अप स्लो लाइन से यात्रा कर सकते हैं। इसी तरह, चर्चगेट से माटुंगा रोड और माहिम जाने वाले यात्री बांद्रा स्टेशन पर उतरकर अप स्लो लाइन का उपयोग कर सकते हैं। निरस्त और आंशिक रूप से शॉर्ट टर्मिनेट/रिवर्स की जाने वाली ट्रेनें अनुलग्नक-I और II में दी गई हैं। विस्तृत जानकारी स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

कुछ ट्रेनें रद्द या शॉर्ट टर्मिनेट होंगी

ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि चर्चगेट जाने वाली अन्य ट्रेनें बांद्रा/दादर पर शॉर्ट टर्मिनेट अथवा रिवर्स की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, प्रभादेवी स्थित आरओबी हटाने के कार्य के लिए डाउन स्लो लाइन पर 23:30 बजे से 07:00 बजे तक 7.5 घंटे का अतिरिक्त मेजर ब्लॉक भी लिया जाएगा।

BMC चुनाव में पोस्टर वॉर

आदित्य-अमित ठाकरे ने मिलकर पेश किए मुंबई बचाने के वादे

मुंबई। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले मुंबई नगर निगम चुनावों से पहले शिवसेना (UBT), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के शरद पवार गुट के गठबंधन ने अपनी चुनावी रणनीति को तेज कर दिया है। शुक्रवार को गठबंधन ने उम्मीदवारों की सूची जारी की और शिवसेना (UBT)-MNS की ओर से एक पोस्टर जारी किया गया, जिसमें आदित्य और अमित ठाकरे एक साथ नजर आए। पोस्टर में लिखा गया है, "हम चुनाव लड़ रहे हैं, जीतने के लिए, मुंबई बचाने के लिए," और इसे मराठी ठाकरे ब्रांड के रूप में प्रमोट किया जा रहा है।

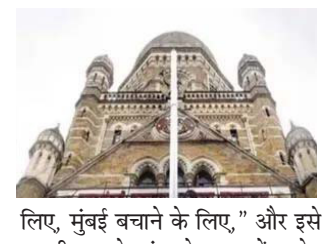

शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे और MNS नेता अमित ठाकरे ने गठबंधन के उम्मीदवारों के सामने प्रेजेंटेशन देते हुए चुनावी वादों की जानकारी दी।

आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

राहुल नार्वेकर पर मामला दर्ज करने की मांग

मुंबई। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय कथित रूप से धमकाने का मामला बेहद गंभीर बताते हुए उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की गई है। साथ ही, विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय के उन अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की मांग की गई है, जो नार्वेकर के रिश्तेदारों के चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से शामिल बताए जा रहे हैं। यह मांग महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की है।

राज्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने इस संबंध में राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे को पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि मुंबई के कुलाबा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 225, 226 और 227 से राहुल नार्वेकर के भाई मकरंद नार्वेकर, बहन गौरवी शिवलकर और भाभी हर्षदा नार्वेकर ने भारतीय जनता पार्टी की ओर से नामांकन दाखिल किया है। सपकाल के अनुसार, नामांकन दाखिल करते समय स्वयं विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर वहां उपस्थित थे।

जाहीर सूचना

सर्वसाधारण को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार **रमेश नानिकराम बलराजानी**, निवासीः उल्हासनगर जि. ठाणे, नीचे वर्णित संपत्ति को इसके वर्तमान स्वामी **सौ. रुपाली विलास चंबावणे** निवासीः. बोरीवली, ठाणे व श्री. अमन चंद्रकांत पराडकर निवासीः अंबाडी भिवंडी से खरीदने का सौदा तय किया है।

संपत्ति का विवरण:

स्थान/पता	खसरा/सर्वे नं.	खाते क्र.	क्षेत्रफल	आकार
घागुर्ली ता. मुरबाड जि. ठाणे	2/1	124	0-11-10	0-08

अतः इस संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था या उत्तराधिकारी को किसी भी प्रकारसे कोई आपत्ति, अधिकार, हक, भार, बंधक, वाद या अन्य कोई दावा हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर अपने साक्ष्यों/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी नीचे दिए गए पते पर को सूचित करें। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई वैध आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति पूरी तरह से भार-मुक्त और निर्विवाद है और मेरे पक्षकार संपत्ति का पंजीयन पूर्ण कर लेंगे। उसके पश्चात प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

दिनांक: 03/01/2026
पत्ता- विराट ग्रीनवुड्स को. ऑ. हौ. सोसा.,
रूम नं. ११०, सी विंग १ला मजला,
मु. पो. पाषाणे,ता.कर्जत जि. रायगड पिन ४१०१०१.

सही /-
ॲड. अजय यशवंत काळींबे
मो. न ७७७५९९०६६८

गृहनिर्माण विभाग

झापडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/AREs/ow /२०२६/२६० सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा. क्र. झोपुप्रा/ सहनिस/ कार्यासन-१/ टे.सी. ६/ सन २०२६ दिनांक : ०१/०१/२०२६.

-: ऑनलाईन सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची नोटिस:-

भिमवाडी एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्या, सीटीएस नं. १ ए (पार्ट), ऑफ व्हिलेज देवनार, ता. कुर्ला, भिमवाडी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक, गोवंडी, मुंबई ४०० ०४३ या संस्थेतील झोपडीधारकांना कळविण्यात येते की, सदर संस्थेचे पुनर्वसन इमारत इमारतीमधील पात्र झोपडीधारकांना वाटप करण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक सहकारी संस्था (पुर्व व पश्चिम उपनगरे) झोपुप्रा मुंबई यांचे कडील दि. ०९/०५/२०२५ रोजीचे पत्रान्वये प्राधिकरण परिपत्रक क्र. १६२, दि. २३/१०/२०१५ अंशतः बदल आदेश दिनांक. ३०/०६/२०२० नुसार संस्थेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील एकुण १०५ पात्र झोपडीधारकांना निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वाटप करण्यासाठी मी निम्मस्वाक्षरीकार माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणुन नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. त्याअनुषंगाने या नोटीसव्दारे **एकुण १०५ पात्र झोपडीधारकांसाठी सदनिका वाटप सोडतीची सभा दिनांक. ०५/०१/२०२६ रोजी ठिक दुपारी ०१.०० वाजता प्राधिकरणाच्या कार्यालयात ऑनलाईन पध्दतीने झुम ॲप (Zoom App) वर आयोजित केलेली आहे.** प्रसिध्द केलेल्या यादीनुसार पुनर्वसन योजनेतील पात्र झोपडीधारकांना झूम ॲप (Zoom App) वर सोडतीव्दारे निवासी सदनिकांचे वाटप करण्यात येणार आहे. त्यानुसार सोडतीच्या दहा मिनिट अगोदर खाली दिलेल्या लिंकवर विहित तारखेस लॉटरी प्रक्रियेत सहभाग घेण्यात यावा.

विषयः झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणचे परिपत्रक क्र. १६२/ दि.२३/१०/२०१५ व ऑनलाईन पध्दतीने लॉटरी घेणेकामी अंशतः बदल आदेश दिनांक ३०/०६/२०२० नुसार ऑनलाईन झुम ऐप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पुनर्वसन योजनेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील एकूण १०५ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

झुम ऐप (Zoom App) वरील लिंकः https://us04web.zoom.us/i/85215006136
Meeting ID:-85215006136
Passcode: 123456
ठिकाण :- मुंबई
दिनांक :- ०१/०१/२०२६

सही /-
(**आर. एन. हळदे**)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-१, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई

टिप :
१. सोडतीच्या वेळी ज्या झोपडीधारकांचे नाव परिशिष्ट २ मध्ये पात्र आहेत अशा व्यक्ती अंध, अपंग, विधवा महिला कुटुंब प्रमुख यांच्यासाठी पुनर्वसन इमारतीमधील खालच्या मजल्यावरील सदनिकेची त्यांनी मागणी केल्यास परिपत्रकातील तरतूदीनुसार सदनिका वाटप करण्यात येईल. त्याबाबतचे विनंती **अर्ज दि. ०५/०१/२०२६ रोजी सकाळी ११.०० वाजेपर्यंत प्रत्यक्ष प्राधिकृत अधिकारी यांचेकडे सादर करावेत.**

प्रशासनिक भवन, अनंत कानेकर मार्ग, बांद्रा (पूर्व), मुंबई- 400051
दूरभाषः 26565800/26590405/1879, फैक्सः 91-22-26590457,
वेबसाइटः www.sra.gov.in, ईमेलः info@sra.gov.in

गृहनिर्माण विभाग

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA /ARES/OW/२०२६/५१८ सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा. दिनांक : ०२/०१/२०२६.

-: नोटीस :-

श्री गणेश एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो), सी.टी.एस.नं. ८७/डी (पै), तुलशेतपाडा, लेक रोड, भांडुप (प), मुंबई - ४०० ०७८ या संस्थेचे परिशिष्ट-२ उपजिल्हाधिकारी (अति/निष्का) तथा सक्षम प्राधिकारी, भांडुप यांनी निर्गमित केलेले असून सदरील परिशिष्ट-२ मध्ये पात्र असणा या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक ०२/०१/२०२६ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार योजनेतील पात्र झोपडीधारकांची सर्वसाधारण सभा **दिनांक २०/०१/२०२६ रोजी, दुपारी ०३.०० वाजता, स्थळ : जगन्नाथ बँक्वेट हॉल, ५ वा मजला, जयश्री प्लाझा, सारस्वत बँकेच्यावरती, ड्रीम मॉलच्या शेजारी, लाल बहादूर शास्त्री मार्ग, भांडुप (प), मुंबई- ४०० ०७८** येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे. तरी सदर सभेत उपस्थित रहावे ही विनंती.

-: सभेचे विषय :-

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणा या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करुन घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ०२/०१/२०२६

सही/-
(आर.एन.हळदे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी १, झोपुप्रा, मुंबई

सूचनाः- ▸ मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

अ.क्र.	वेळ	विषय
१)	सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून 2 तास	मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे.
२)	15 मिनिटे	आलेल्या अजर्जाची छाननी करणे.
३)	15 मिनिटे	नामनिर्देशन पत्र परत घेणे.
४)	15 मिनिटे	पॅनलची मागणी करणे.
५)	पुढील अर्धातास	चिन्ह वाटप करणे.

▸ मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
▸ मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
▸ विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभाअध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
▸ सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट-२ मधील पात्र झोपडीधारक पती पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
▸ मंजूर परिशिष्ट-२ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
▸ संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
▸ सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
▸ मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.
▸ सदर सभेस येताना प्रत्येक झोपडीधारकोन मास्क वापरणे, सामाजिक अंतर ठेवणे अनिवार्य राहील. तसेच कोविड-१९ संदर्भात शासनाने वेळोवेळी निर्गमित केलेल्या निर्देशाचे पालन करावे.

प्रशासनिक भवन, अनंत कानेकर मार्ग, बांद्रा (पूर्व), मुंबई- 400051
दूरभाषः 26565800/26590405/1879, फैक्सः 91-22-26590457,
वेबसाइटः www.sra.gov.in, ईमेलः info@sra.gov.in

करोड़ों की ऑनलाइन ठगी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पंजाब के एक पूर्व आईपीएस अधिकारी से करोड़ों रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में पंजाब पुलिस ने महाराष्ट्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ठाणे जिले के मीरा-भायंदर इलाके में की गई। गिरफ्तार आरोपियों में शेरा ठाकुर भी शामिल है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है, जबकि मामले की विस्तृत जांच पंजाब पुलिस द्वारा की जा रही है।

सुसाइड नोट से खुला धोखाधड़ी का राज

गौरतलब है कि पंजाब के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अमर सिंह चहल ने हाल ही में पटियाला स्थित अपने आवास पर लाइसेंसी रिवाल्वर से आत्महत्या कर ली थी। घटनास्थल से पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नाम लिखा 12 पन्नों का सुसाइड नोट बरामद हुआ था। इसमें उन्होंने "एफ-777 डीबीएस वेल्थ इक्विटी रिसर्च ग्रुप" नामक व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप के जरिए की गई धोखाधड़ी का विस्तृत उल्लेख किया था।

फर्जी डैशबोर्ड से दिखाया गया मुनाफा

सुसाइड नोट के अनुसार, आरोपियों ने डीबीएस बैंक के नाम का दुरुपयोग करते हुए एक फर्जी डैशबोर्ड तैयार किया और शेयर निवेश में भारी मुनाफे की वर्चुअल तस्वीर दिखाकर चहल से करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपये हड़प लिए। इस खुलासे के बाद पंजाब पुलिस ने तुरंत जांच का दायरा महाराष्ट्र तक बढ़ाया। पंजाब पुलिस ने नवघर पुलिस की मदद से भायंदर ईस्ट इलाके से शेरा ठाकुर को गिरफ्तार किया।

संपादकीय

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग-वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात-आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

डिजिटल अंकुश, बचपन की चिंता

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

मोबाइल स्क्रीन की चमक में बचपन कब कैद हो गया, इसका अंदाज़ा शायद हमें तब हुआ जब खेल के मैदान सूने और बच्चों की उंगलियाँ लगातार स्क्रीन पर चलती दिखीं। जिस तकनीक को ज्ञान, संवाद और अवसर का माध्यम माना गया, वही धीरे-धीरे बच्चों और किशोरों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही है। यही कारण है कि दुनिया के कई देश अब डिजिटल आज़ादी पर अंकुश लगाने का साहसिक फैसला कर रहे हैं। फ्रांस का ताज़ा कदम इसी वैश्विक चेतना का हिस्सा है, जिसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब पश्चिमी देश अपने बच्चों को स्क्रीन की गिरफ्त से निकालने के लिए सख्त कानून बना रहे हैं, तब भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में यह मुद्दा अब भी प्राथमिकता क्यों नहीं बन पाया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नए साल के संदेश में साफ संकेत दिए कि सरकार बच्चों और किशोरों को सोशल मीडिया और स्क्रीन की बढ़ती लत से बचाने के लिए निर्णायक कदम उठाने जा रही है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के तहत 15 साल से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने, 15 से 18 साल के किशोरों के लिए डिजिटल कर्फ्यू जैसे उपाय और स्कूलों में मोबाइल प्रतिबंध को हाई स्कूल स्तर तक बढ़ाने की तैयारी है। यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतीक है जिसमें राज्य यह मानता है कि बच्चों की मानसिक सेहत और भविष्य बाजार की ताकतों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम बच्चों को उसी तरह लत की ओर धकेलते हैं, जैसे कभी तंबाकू या नशे की अन्य चीजें किया करती थीं। लाइक, शेयर और नोटिफिकेशन का अदृश्य दबाव बच्चों के आत्मसम्मान को बाहरी स्वीकृति से जोड़ देता है। साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ट्रोलिंग, फर्जी स्कीम, आर्थिक ठगी और यौन शोषण जैसे खतरे उनकी मासूम दुनिया में गहरी दरार डाल रहे हैं। जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम नींद की कमी, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में गिरावट और अकेलेपन को जन्म दे रहा है। पश्चिमी देशों ने इस खतरे को समय रहते पहचाना और अब वे कानून के जरिए हस्तक्षेप कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तो 16 साल से कम उम्र के यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट डिएक्टिवेट करने जैसे सख्त नियम लागू कर दिए हैं। इटली और डेनमार्क उम्र सत्यापन पर जोर दे रहे हैं। स्पेन और ग्रीस अनिवार्य उम्र सीमा तय करने की तैयारी में हैं। मलेशिया बच्चों और किशोरों की सुरक्षा के लिए नए कानून लाने पर विचार कर रहा है। इन देशों में यह बहस अब खत्म हो चुकी है कि नियंत्रण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है या नहीं। वहां प्राथमिकता साफ है।बच्चों का भविष्य। इसके उलट भारत की स्थिति चिंताजनक है। यहां स्मार्टफोन तेजी से हर हाथ तक पहुंचा, लेकिन उसके साथ आने वाले खतरे को लेकर न तो व्यापक सामाजिक चेतना बनी और न ही ठोस सरकारी नीति। डिजिटल इंडिया के नारे के साथ इंटरनेट गांव-गांव पहुंचा, यह उपलब्धि है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हमने इसके सामाजिक परिणामों के लिए तैयारी की। ऑनलाइन क्लास के नाम पर बच्चों के हाथ में मोबाइल पकड़ा दिया गया और फिर धीरे-धीरे वही मोबाइल मनोरंजन, गेमिंग और सोशल मीडिया का स्थायी माध्यम बन गया। अभिभावक व्यस्तता और असुरक्षा के कारण बच्चों को स्क्रीन के हवाले करते चले गए। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा, परिवार का संवाद, खेल और सामूहिक जीवन को हमेशा महत्वपूर्ण माना गया है। बचपन को संस्कारों की नींव कहा गया। लेकिन आज विडंबना यह है कि हम उसी संस्कृति की अहम बातों को गौण मानकर पश्चिमी डिजिटल जीवनशैली की नकल में लगे हैं। पश्चिम, जिसने कभी असीम स्वतंत्रता का पक्ष लिया था, आज उसी स्वतंत्रता पर नियंत्रण की जरूरत महसूस कर रहा है, जबकि भारत बिना सोचे-समझे उसी रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

यह सवाल भी उतना ही जरूरी है कि भारत में बच्चों के लिए सरकार की नीतियां वरदान क्यों नहीं बन पा रहीं। शिक्षा नीति में डिजिटल साक्षरता की बात होती है, लेकिन डिजिटल अनुशासन पर चुप्पी है। आईटी कानून और बाल संरक्षण कानून अलग-अलग दिशाओं में चलते दिखते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों पर उम्र सत्यापन और एल्गोरिदम की जवाबदेही को लेकर सख्ती का अभाव है। अभिभावकों पर जिम्मेदारी डालकर सरकार अपने कर्तव्य से मुक्त नहीं हो सकती, क्योंकि जब बाजार और तकनीक इतनी शक्तिशाली हो जाए, तब केवल व्यक्तिगत नियंत्रण पर्याप्त नहीं होता।

पश्चिमी सभ्यता में एक बड़ा बदलाव यह दिख रहा है कि वहां सरकारें अब बिग टेक से टकराने का साहस कर रही हैं। वे मान रही हैं कि मुनाफे की दौड़ में बच्चों की सेहत कुर्बान नहीं की जा सकती। भारत में उल्टा दृश्य है। यहां तकनीक को विकास का पर्याय मान लिया गया है और उससे जुड़े सामाजिक प्रश्नों को विकास विरोधी बताकर किनारे कर दिया जाता है। जबकि सच यह है कि बिना संतुलन के विकास विनाश का रास्ता बन जाता है। आज जरूरत है कि भारत भी इस बहस को गंभीरता से ले। बच्चों के लिए उम्र आधारित सोशल मीडिया प्रतिबंध, स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर सख्त नियम, रात के समय डिजिटल कर्फ्यू और प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट फिल्टर जैसे कदम अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुके हैं।

जीवन मंत्र

संत कहते हैं और शास्त्रों में भी वर्णित है कि सबको यश, प्रशंसा मिलती है किसी कार्य की सफलता के बाद। यही यश है। इसे ही आदमी निगलना चाहता है कि हमने ही किया। सहयोगियों में यश का बंटवारा करने की प्रवृत्ति सिकुड़ती जा रही है।

जो यश दे, वह यशोदा

सनातन धर्म में दूसरों को यश देना आवश्यक है। दूसरों को यश नहीं देने से बिखराव होता है। जो दूसरों को यश दे, उसे यशोदा कहते हैं। संत कहते हैं और शास्त्रों में भी वर्णित है कि सबको यश, प्रशंसा मिलती है किसी कार्य की सफलता के बाद। यही यश है। इसे ही आदमी निगलना चाहता है कि हमने ही किया। सहयोगियों में यश का बंटवारा करने की प्रवृत्ति सिकुड़ती जा रही है। आज हम देखते हैं कि जो बडे.नेता हैं, जो राष्ट्राध्यक्ष हैं, जो बडे. अधिकारी हैं, जो भी जहां बड़प्पन या बड़े पद से जुड़े हैं, वे इस मामले में कंजूसी कर देते हैं। अच्छे संसाधन व अच्छी शिक्षा देने में कभी कंजूसी न करें। आपको जो यश मिला है, उसका बंटवारा करें। इसी को यशोदा कहते हैं। संत शिरोमणि डोंगरे जी कहते थे, जब कोई आता था नंद जी के घर बधाई देने, तब यशोदा जी

कहती थीं कि आपके ही आशीर्वाद से लल्ला कितना सुंदर, कितना संस्कारी, कितना मनमोहक हुआ है, जो वैभव इसके रोम-रोम में आया है, आपके आशीर्वाद से ही है। आपने मंगल कामना की, आपने भगवान से कामना की, आपने संयम-नियम किया, आपने उपासना की, इस बच्चे के लिए। नहीं तो मेरी पात्रता नहीं दिख रही थी कि यह मेरे यहां आते। सबको यश देती थीं, इसलिए उनका नाम रख दिया यशोदा। जो धन देता है, उसे धनदा बोलते हैं। जो कंबल देता है, उसे कंबलदा कहते हैं। ऐसे ही, जो यश दे, उसे यशोदा कहते हैं। तो शुरू से बच्चों को इसकी शिक्षा दी जाए, जीवन के विकास के लिए यह ज्ञान का बीजारोपण है। जीवन के महान विकसित महल की यह बहुत मजबूत प्रशंसनीय नींव है कि हम बच्चों को शुरू से ही सिखलाएं कि कैसे यश बांटना है, धन बांटना है, ज्ञान बांटना है, भोजन बांटना है। अपना सब कुछ बांटना है। जो भी उपलब्धियां हैं, उनको बांटना है।

शख्सियत | सावित्रीबाई फुले

शिक्षा और सामाजिक क्रांति की अग्रदूत

सावित्रीबाई फुले भारतीय समाज सुधार आंदोलन की वह क्रांतिकारी शख्सियत हैं, जिनका योगदान शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के इतिहास में अमिट है। 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के नायगांव (जि. सतारा) में जन्मीं सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक परिवर्तन की मिसाल है। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। उस समय के सामाजिक हालात ऐसे थे कि लड़कियों की शिक्षा की कल्पना तक अस्वीकार्य मानी जाती थी, लेकिन सावित्रीबाई ने इन्हीं बंदिशों को तोड़कर इतिहास रच दिया।

बाई का विवाह 1840–41 के आसपास महात्मा ज्योतिराव फुले से हुआ। ज्योतिराव फुले न केवल उनके जीवनसाथी थे, बल्कि गुरु, मार्गदर्शक और वैचारिक सहयोगी भी थे। उन्होंने सावित्रीबाई को पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया और स्वयं प्रशिक्षण दिलाया। आगे चलकर सावित्रीबाई ने पुणे के नॉर्मल स्कूल से अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस तरह वे भारत की पहली प्रशिक्षित महिला शिक्षिका बनीं, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। 5 सितंबर 1848 को पुणे के भिड़ेवाड़ा में ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर उन्होंने भारत के पहले बालिका विद्यालय की स्थापना की। इस विद्यालय में विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं ने शिक्षा ग्रहण की और सावित्रीबाई इसकी पहली प्रधानाचार्य बनीं। उस दौर में किसी महिला का स्कूल चलाना आसान नहीं था। जब सावित्रीबाई पढ़ाने के लिए घर से निकलती थीं, तो कट्टरपंथी लोग उन पर कीचड़, गोबर और पत्थर फेंकते थे। इसके बावजूद वे अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर निकलतीं, रास्ते में साड़ी बदलतीं और पूरे आत्मविश्वास के साथ विद्यालय पहुँचती थीं। उनका यह साहस आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गया।

एक वर्ष के भीतर फुले दंपत्ति ने पुणे और आसपास के क्षेत्रों में पाँच से अधिक विद्यालय स्थापित किए। इन विद्यालयों में शूद्र, अतिशूद्र और वंचित वर्ग की लड़कियों को भी शिक्षा दी गई, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। सावित्रीबाई का मानना था कि शिक्षा ही सामाजिक गुलामी से मुक्ति का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने न केवल लड़कियों की शिक्षा पर बल दिया, बल्कि स्त्रियों की आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और बौद्धिक विकास को भी आवश्यक बताया। शिक्षा के साथ-साथ सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी मोर्चा खोला। उन्होंने विधवा विवाह का समर्थन किया और बाल विवाह, सती प्रथा तथा छुआछूत जैसी अमानवीय प्रथाओं का विरोध किया। विधवाओं और अनाथ बच्चों के लिए उन्होंने आश्रय गृह खोले, जहाँ उन्हें सम्मानजनक जीवन और शिक्षा का अवसर मिला। समाज द्वारा ठुकराई गई गर्भवती विधवाओं और उनके बच्चों के लिए भी उन्होंने सहारा प्रदान किया, जो उस समय अकल्पनीय माना जाता था।

जीवन ऊर्जा

क्लेमेंट एटली, एक ब्रिटिश राजनीतिज्ञ, जो 1945 से 1951 तक यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री के रूप में कार्यरत थे, एक परिवर्तनकारी और दूरदर्शी नेता थे। लेबर पार्टी के नेता के रूप में, एटली द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सत्ता में आए और प्रमुख सामाजिक और आर्थिक सुधारों की अवधि की अध्यक्षता की।क्लेमेंट एटली का जन्म 3 जनवरी 1883, पुटनी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम में हुआ था और उनका निधन 8 अक्टूबर 1967, वेस्टमिंस्टर अस्पताल, लंदन, यूनाइटेड किंगडम में हुआ।

क्लेमेंट एटली: जन्म- 3 जनवरी 1883 | जन्म

बजट पर राजनीति करना खतरनाक है

कोई भी सामाजिक व्यवस्था हमें तब तक खुशी, स्वास्थ्य और समृद्धि नहीं देगी जब तक वह भौतिकवाद से बड़ी किसी चीज़ से प्रेरित न हो। जब हम सत्ता में वापस आते हैं तो हम कानून की किताब में एक ऐसा अधिनियम डालना चाहते हैं जो हमारे लोगों को इस देश का नागरिक होने से पहले दुनिया का नागरिक बना देगा। लोकतंत्र का मतलब है चर्चा द्वारा सरकार बनाना, लेकिन यह तभी प्रभावी है जब आप लोगों को बात करने से रोक सकें। यदि आप खुद को किसी राजनीतिक दल के प्रति पूरी तरह जिम्मेदार मानने लगते हैं, तो आप तानाशाही की आधी राह पर हैं। आपका मूल्यांकन इस बात से किया जाएगा कि आप सज्जनों में क्या सफल होते हैं, न कि इस बात से कि आप क्या प्रयास करते हैं। हमने राष्ट्रवादी निष्ठा के किसी भी विचार को बिल्कुल त्याग दिया है। हम जानबूझकर अपने देश के प्रति अपनी वफादारी से पहले विश्व व्यवस्था को रख रहे हैं। जीवन और मृत्यु के संघर्ष में, हम अपनी नियति को असफलताओं के हाथों में नहीं छोड़ सकते। यदि हथियारों पर बर्बाद किए गए धन का उपयोग कम विकसित देशों की मदद के लिए किया जा सकता है, तो यह संभवतः किसी भी अन्य चीज़ की तुलना में कम्युनिस्ट खतरे के खिलाफ एक बड़ा झटका होगा। आपकी ओर से कुछ समय का मौन स्वागत योग्य होगा। बहुत से चतुर लोगों के पास निर्णय के अलावा सब कुछ है। बजट पर राजनीति करना खतरनाक है। मनुष्य की भौतिक खोजें उसकी नैतिक प्रगति से आगे निकल गई हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

घृणा, द्वेष और भेदभाव के षड्यंत्रों से खुद बचें

हमारे देश में छुआछूत और जातियों के भेदभाव को लेकर आज भी कई लोग जागरूक नहीं हैं। पर ये घिनौनी परंपरा ने हमारी देश को कुछ सदियों पहले ही जकड़ा। पिछले भाग में हमने कई कहानियों का उदाहरण देते हुए बताया कि प्राचीन समय में कभी छुआछुत रही ही नहीं और ना ही कभी जातियां भेदभाव का कारण होती थी। इस भाग में हम इसे लेकर कुछ और उदाहरण प्रस्तुत करने जा रहे हैं। 140 साल देश पर गुप्ताओं का राज रहा। केवल पुष्यमित्र शुंग के 36 साल के राज को छोड़ कर 92% समय प्राचीन काल में देश में शासन उन्ही का रहा, जिन्हें आज दलित पिछड़ा कहते हैं तो शोषण कहां से हो गया? यहां भी कोई शोषण वाली बात नहीं है। फिर शुरू होता है मध्यकालीन भारत का समय जो सन 1100- 1750 तक है, इस दौरान अधिकतर समय, अधिकतर जगह मुस्लिम आक्रमणकारियों का समय रहा और कुछ स्थानों पर उनका शासन भी चला। अंत में मराठों का उदय हुआ, बाजीराव पेशवा जो कि ब्राह्मण थे, ने गाय चराने वाले गायकवाड़ को गुजरात का राजा बनाया, चरवाहा जाति के होलकर को मालवा का राजा बनाया। अहिल्या बाई होलकर खुद बहुत बड़ी शिवभक्त थी। ढेरों मंदिर गुरुकुल उन्होंने बनवाए। मीरा बाई जो कि राजपूत थी, उनके गुरु एक चर्मकार रविदास थे और रविदास के गुरु ब्राह्मण रामानंद थे। यहां भी शोषण वाली बात कहीं नहीं है।मुग़ल काल से देश में गंदगी शुरू हो गई और यहां से पर्दा प्रथा, गुलाम प्रथा, बाल विवाह जैसी चीजें शुरू होती हैं। 1800-1947 तक अंग्रेजों के शासन रहा और यहीं से जातिवाद शुरू हुआ। जो उन्होंने फूट डालो और राज करो की नीति के तहत किया। अंग्रेज अधिकारी निकोलस डार्क की किताब 'कास्ट ऑफ़ माइंड' में मिल जाएगा कि कैसे अंग्रेजों ने जातिवाद, छुआछूत को बढ़ाया और कैसे स्वार्थी भारतीय नेताओं ने अपने स्वार्थ में इसका राजनीतिकरण किया। इन हजारों सालों के इतिहास में देश में कई विदेशी आए, जिन्होंने भारत की सामाजिक स्थिति पर किताबें लिखी हैं, जैसे कि मेगास्थनीज ने इंडिका लिखी, फाहियान, ह्यू सांग और अलबरूनी जैसे कई। किसी ने भी नहीं लिखा की यहां किसी का शोषण होता था। योगी आदित्यनाथ जो ब्राह्मण नहीं हैं, गोरखपुर मंदिर के महंत हैं, पिछड़ी जाति की उमा भारती महा मंडलेश्वर रही हैं। जन्म आधारित जाति को छुआछुत व्यवस्था हिन्दुओ को कमजोर करने के लिए लाई गई थी। इसलिए भारतीय होने पर गर्व करें और घृणा, द्वेष और भेदभाव के षड्यंत्रों से खुद भी बचें और औरों को भी बचाएं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

'सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये 'फोकट' सवाल नहीं – ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है और इस अधिकार की हत्या के लिए BJP का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है।

-राहुल गांधी
कांग्रेस सांसद

6 प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का बार-बार प्रचार करते हैं, लेकिन इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों पर उनकी चुप्पी हैरान करने वाली है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

6 कई साल पहले हम जल बंटवारा समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर आप दशकों तक आतंकवाद फैलाते हैं, तो ये अच्छे पड़ोसी वाली बात नहीं है और अगर आप अच्छे पड़ोसी नहीं हैं, तो आपको इसके फायदे भी नहीं मिलेंगे।

-एस जयशंकर
विदेश मंत्री

2024 के लोकसभा चुनावों में टीएमसी और भाजपा के बीच वोटों का अंतर केवल 40 लाख था। वहीं, मतदाता सूची के प्रकाशित मसौदे में पहले ही 58 लाख नाम हटा दिए गए हैं। उनके अनुसार, यह बदलाव बताता है कि चुनाव के परिणाम क्या होने वाले हैं।

-शुभेंदु अधिकारी
भाजपा नेता

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

छत्रपति संभाजीनगर में बस–ट्रक की टक्कर, आग लगने से एक की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में समृद्धि हाइवे पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। मालीवाड़ा टोल प्लाजा के पास एक निजी बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर के बाद बस में अचानक आग लग गई। इस हादसे में एक यात्री की जलकर मौत हो गई, जबकि 31 यात्रियों समेत बस चालक और कंडक्टर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस के अनुसार, 'साईराम ट्रैवल्स' की निजी बस शुक्रवार सुबह मुंबई की ओर जा रही थी। इसी दौरान मालीवाड़ा टोल प्लाजा के पास सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में तुरंत आग भड़क उठी, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही चीफ फायर ऑफिसर अशोक खांडेकर के नेतृत्व में पदमपुरा और कंचनवाड़ी फायर स्टेशन की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए बस में लगी आग पर काबू पाया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बस में कुल 32 लोग सवार थे, जिनमें 29 यात्री, दो चालक और एक कंडक्टर शामिल थे। हादसे में 31 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन एक यात्री अमोल सुरेश शेलकर (38) की आग में झुलसकर मौत हो गई। मालीवाड़ा पुलिस स्टेशन की टीम मामले की आगे की जांच कर रही है।

पुणे मेट्रो में ऑनलाइन 'लॉस्ट एंड फाउंड' सेवा शुरू

पुणे। पुणे महामेट्रो ने यात्रियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन 'लॉस्ट एंड फाउंड' सेवा शुरू की है। अब यदि मेट्रो यात्रा के दौरान कोई वस्तु स्टेशन या मेट्रो के भीतर छूट जाती है, तो उसे ऑनलाइन देखा और खोजा जा सकेगा। यह सुविधा पुणे मेट्रो की आधिकारिक वेबसाइट पर 'पैसेंजर इंफॉर्मेशन' अनुभाग के तहत उपलब्ध कराई गई है। महामेट्रो प्रशासन ने सभी मेट्रो स्टेशनों पर मिली लावारिस वस्तुओं की जानकारी सार्वजनिक की है। इन वस्तुओं में बैग, नकद पैसे, पर्स, दुपट्टा, पहचान पत्र और अन्य कई चीजें शामिल हैं। यात्रियों द्वारा सबसे अधिक बैग भूलने की घटनाएं सामने आती हैं। यदि किसी यात्री का सामान खो गया है और वह वेबसाइट पर सूचीबद्ध है, तो उन्हें एक महीने के भीतर उस स्टेशन से संपर्क करना होगा जहां वह वस्तु रखी गई है।मेट्रो में कोई भी सामान गुम होने पर यात्री नजदीकी स्टेशन के 'स्टेशन कंट्रोलर', टिकट काउंटर या सुरक्षा गार्ड को सूचित कर सकते हैं। इसके अलावा, हेल्पलाइन नंबर 1800 270 5501 पर कॉल करके या वेबसाइट के 'लॉस्ट एंड फाउंड' सेक्शन में जाकर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यात्रियों के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने की सुविधा भी उपलब्ध है। चंद्रशेखर तांबवेकर, जनसंपर्क अधिकारी, महामेट्रो पुणे ने बताया कि इस ऑनलाइन सेवा से यात्रियों को अपने खोए हुए सामान को जल्दी और सुरक्षित तरीके से प्राप्त करने में मदद मिलेगी। मेट्रो में कोई भी सामान गुम होने पर यात्री नजदीकी स्टेशन के 'स्टेशन कंट्रोलर', टिकट काउंटर या सुरक्षा गार्ड को सूचित कर सकते हैं। इसके अलावा, हेल्पलाइन नंबर 1800 270 5501 पर कॉल करके या वेबसाइट के 'लॉस्ट एंड फाउंड' सेक्शन में जाकर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यात्रियों के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने की सुविधा भी उपलब्ध है। चंद्रशेखर तांबवेकर, जनसंपर्क अधिकारी, महामेट्रो पुणे ने बताया कि इस ऑनलाइन सेवा से यात्रियों को अपने खोए हुए सामान को जल्दी और सुरक्षित तरीके से प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

एनएमएमटी बसों की कमी से सेवाएं चरमराईं; यात्री परेशान

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई। पर्याप्त बसों के अभाव में नवी मुंबई महानगरपालिका परिवहन उपक्रम (एनएमएमटी) की सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो गई हैं। शहर के यात्रियों को अब बस के लिए आधे से पौन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे रोजमर्रा की यात्रा कठिनाई भरी हो गई है।

बसों की कमी और वित्तीय नुकसान

करीब 15 लाख की आबादी वाले नवी मुंबई शहर के लिए लगभग 600-700 बसों की आवश्यकता है। पिछले वर्ष लगभग 400-450 बसें परिचालन में थीं, जिससे प्रतिदिन 38-40 लाख रुपये का राजस्व मिलता था। लेकिन अब केवल 300-325 बसें चल रही हैं, जिससे उपक्रम की दैनिक आय घटकर 26-28 लाख रुपये रह गई है। तकनीकी कारणों से महालक्ष्मी एजेंसी की 114 बसों का ठेका रद्द किया गया है, और ये बसें घणसोली बस डिपो में खड़ी हैं।

यात्रियों पर असर और सुरक्षा चिंताएं

बसों की कमी के कारण यात्री घंटों बस स्टॉप पर खड़े रहने को मजबूर हैं। कई जगह विवाद और हाथापाई की घटनाएं भी सामने आई हैं। इलेक्ट्रिक बसों की बैटरी चार्जिंग समस्याओं और तकनीकी खामियों के कारण कई बसें रद्द करनी पड़ती हैं, जिससे यात्रियों को रास्ते में ही उतरकर दूसरी बस का इंतजार करना पड़ता है।

प्रशासन की ढीली योजना पर सवाल

बस फेरियां रद्द होने से स्थायी कर्मचारियों को बैठाया जाता है, जबकि दिहाड़ी या ठेका कर्मचारियों से काम लिया जाता है, जिससे एनएमएमटी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। प्रशासन की धीमी योजना और अपर्याप्त कार्रवाई के कारण यह स्थिति लगातार बनी हुई है।

नई बसों की उम्मीद

एनएमएमटी प्रशासन ने पिछले एक वर्ष से नई बसों की घोषणाएं की थीं, लेकिन अब तक कोई नई बस परिचालन में नहीं आई। हालांकि, पिछले महीने बसों की खरीद का ठेका दिया गया है और प्रशासन के अनुसार मार्च के अंत तक दो चरणों में 150 नई बसें उपलब्ध हो जाएंगी। यह स्थिति स्पष्ट रूप से शहरवासियों के लिए असुविधाजनक है और प्रशासन पर दबाव बढ़ा रही है कि जल्द से जल्द समाधान निकाले जाएँ।

4 जनवरी को मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल 4 जनवरी को को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए अपने उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा, विवरण इस प्रकार है।

ट्रांस-हार्बर लाइन

- ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की ट्रेनें 11:10 बजे से 16:10 बजे तक
- ब्लॉक अवधि के दौरान वाशी/नेरुल और ठाणे स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की ट्रेनें निलंबित रहेंगी।
- थाणे से वाशी/नेरुल/पनवेल जाने वाली डाउन लाइन की ट्रेनें सुबह 10:35 बजे से शाम 16:07 बजे तक और पनवेल/ नेरुल/वाशी से थाणे जाने वाली अप लाइन की सेवाएं सुबह 10:25 बजे से शाम 16:09 बजे तक निलंबित रहेंगी
- बुनियादी ढांचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए ये मेगा ब्लॉक आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है की इससे होने वाली असुविधा के लिए सहयोग करें।

मेन लाइन

माटुंगा-मुलुंड अप और डाउन स्लो लाइनें 11.05 बजे से 15.55 बजे तक

सीएसएमटी मुंबई से 10.14 बजे से 15.32 बजे तक चलने वाली डाउन स्लो लाइन सेवाएं माटुंगा और मुलुंड स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और सायन, कुर्ला, घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप और मुलुंड स्टेशनों पर रुकेंगी। मुलुंड स्टेशन पर इन्हें फिर से डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा और ये अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

ठाणे से चलने वाली अप स्लो लाइन की सेवाएं 11:07 बजे से 15:51 बजे तक को मुलुंड स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा। मुलुंड और माटुंगा स्टेशनों के बीच ये ट्रेनें मुलुंड, भांडुप, विक्रोली, घाटकोपर, कुर्ला और सायन स्टेशनों पर रुकेंगी और फिर माटुंगा स्टेशन पर अप स्लो लाइन पर पुनः डायवर्ट की जाएंगी। ये ट्रेनें अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

रेलवे सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों की सेवाओं को अतिरिक्त 8 ट्रिप रहेगी जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रेलवे नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सोलापुर और अजमेर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की सेवाओं को अतिरिक्त 8 ट्रिप के लिए जारी रखेगा।

सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल (8 ट्रिप)

- ट्रेन नंबर 09627 अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल जिसे 31.12.2025 तक चलाने की सूचना दी गई थी, अब 07.01.2026 से 28.01.2026 तक हर बुधवार को चलेगी। (4 ट्रिप)
- ट्रेन नंबर 09628 सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल जिसे 01.01.2026 तक चलाने की सूचना दी गई थी, अब 08.01.2026 से 29.01.2026 तक हर गुरुवार को चलेगी। (4 ट्रिप)

ऊपर बताई गई ट्रेनों के कंपोजिशन और स्टॉपेज में कोई बदलाव नहीं होगा।

आरक्षण और बुकिंग

स्पेशल ट्रेनों के लिए स्पेशल चार्ज पर आरक्षण सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगा। बिना रिजर्वेशन वाले कोच के लिए बुकिंग स्टेशनों पर बुकिंग काउंटरों और UTS ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करें।

इन ट्रेनों के स्टॉपेज पर विस्तृत समय के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या RailOne या NTES ऐप डाउनलोड करें।

दौंड-काष्टी स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य शुरू सोलापुर डिवीजन के स्टेशनों से चलने वाली ट्रेनों पर होगा असर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सेंट्रल रेलवे दौंड-मनमाड सेक्शन में दौंड-काष्टी स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य शुरू करने के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लगाएगा। इस ब्लॉक के कारण सोलापुर डिवीजन के स्टेशनों से चलने वाली ट्रेनों पर पड़ने वाला असर नीचे विस्तार से बताया गया है।

रद्द की गई ट्रेनें

निम्नलिखित ट्रेनें रद्द रहेंगी:

- ट्रेन नंबर 01461 सोलापुर-दौंड DEMU स्पेशल JCO 04.01.2026 से 25.01.2026 तक
- ट्रेन नंबर 01462 दौंड-सोलापुर DEMU स्पेशल JCO 04.01.2026 से 25.01.2026 तक
- ट्रेन नंबर 01422 कलबुर्गी-दौंड स्पेशल JCO 24.01.2026
- ट्रेन नंबर 01425 दौंड-कलबुर्गी स्पेशल JCO 25.01.2026
- ट्रेन नंबर 11413 निजामाबाद-पंढरपुर एक्सप्रेस JCO 25.01.2026
- ट्रेन नंबर 11414 पंढरपुर-निजामाबाद एक्सप्रेस JCO 26.01.2026

रीशेड्यूल की गई ट्रेनें

निम्नलिखित ट्रेनों को बताए अनुसार रीशेड्यूल किया जाएगा:

- ट्रेन नंबर 22602 साईंनगर शिरडी-चेन्नई सेंट्रल वीकली एक्सप्रेस JCO 16.01.2026 को 2 घंटे के लिए रीशेड्यूल किया जाएगा।
- ट्रेन नंबर 11301 CSMT मुंबई-KSR बेंगलुरु उद्यान एक्सप्रेस JCO 24.01.2026 को 1 घंटे के लिए रीशेड्यूल किया जाएगा।
- ट्रेन नंबर 18520 LTT मुंबई-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस JCO 25.01.2026 को 4 घंटे 30 मिनट के लिए रीशेड्यूल किया जाएगा।

उल्हासनगर में श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा से गूंजा भक्तिमय माहौल

रिजेंसी एंटीलिया में निकली कलश यात्रा, बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव की गहमा-गहमी के बीच रिजेंसी एंटीलिया परिसर में श्री शिव महापुराण परिवार की ओर से शुक्रवार 2 जनवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया। इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की, जिससे पूरा वातावरण शिवभक्ति में सराबोर हो गया।

डॉ. प्रभाकरजी महाराज कराएंगे कथामृत का रसपान

इस पावन अवसर पर प.प. डॉ. प्रभाकरजी महाराज अपने ओजस्वी, ललित एवं रसमयी मुखारविंद से श्रद्धालुओं को शिवमहापुराण कथा का अमृतपान कराएंगे। कथा का आयोजन शहद स्टेशन के समीप स्थित रिजेंसी एंटीलिया, सेल्स ऑफिस के सामने किया जा रहा है।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं से की सहभागिता की अपील

इस धार्मिक आयोजन के आयोजक समाजसेवी अनिल पांडे, उद्योगपति संजय कन्हैयालाल गुप्ता एवं पवन मिश्रा ने श्रद्धालुओं से अपने परिवार एवं स्नेहीजनों के साथ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस दिव्य और रसमयी शिवमहापुराण कथा का लाभ लेने की अपील की है।

3 से 11 जनवरी तक प्रतिदिन कथा आयोजन

आयोजकों के अनुसार 3 जनवरी से 11 जनवरी तक प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से 8:30 बजे तक श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। कथा के समापन के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई है।

यात्रियों के लिए राहत

पश्चिम रेलवे ने वलसाड–हिसार साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

यात्रियों की सुविधा और बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे ने विशेष किराये पर चलने वाली वलसाड–हिसार साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस फैसले से गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

29 जनवरी 2026 तक चलेगी वलसाड–हिसार स्पेशल

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 04728 वलसाड–हिसार स्पेशल को 29 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। वहीं, ट्रेन संख्या 04727 हिसार–वलसाड स्पेशल के फेरे 28 जनवरी, 2026 तक बढ़ाए गए हैं।

04 जनवरी से शुरू होगी बुकिंग

ट्रेन संख्या 04728 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 04 जनवरी, 2026 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि ट्रेनों के ठहराव, समय और कोच संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर अवलोकन करें। पश्चिम रेलवे के इस निर्णय से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ-साथ त्योहारों और अन्य अवसरों पर बढ़ने वाली भीड़ को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

वृष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कर्क विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

सिंह मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

कन्या संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी।

धनु तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

कुंभ व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

मीन व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी।

शकुन–अपशकुन: अंधविश्वास नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के सूक्ष्म संवाद की परंपरा

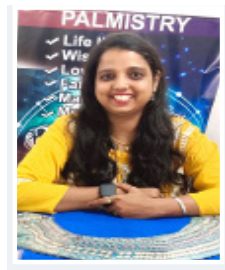

प्रियंका जैन
9769994439

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में शकुन और अपशकुन को लेकर सदियों से गहरी आस्था रही है। यह आस्था केवल डर या वहम पर आधारित नहीं, बल्कि प्रकृति, समय और मानव चेतना के बीच स्थापित उस सूक्ष्म संवाद का परिणाम है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने अपने दीर्घ अनुभव और चिंतन से समझा। प्राचीन काल से ही किसी यात्रा, युद्ध, यज्ञ, विवाह या नए कार्य के आरंभ से पूर्व शकुन-विचार किया जाता रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य को टालना नहीं, बल्कि आने वाली परिस्थितियों के प्रति सावधान और सजग रहना था।

वास्तव में शकुन स्वयं न तो शुभ होते हैं और न ही अशुभ। वे केवल संकेत मात्र हैं, जैसे आकाश में उमड़ते बादल वर्षा का संकेत देते हैं। किसी बड़ी घटना से पहले प्रकृति में हलचल, विकार या परिवर्तन दिखाई देता है। पशु-पक्षियों का व्यवहार बदलता है, ध्वनियां असामान्य हो जाती हैं, वातावरण में एक अलग कंपन महसूस होता है। इन्हीं संकेतों को ऋषियों ने अनुभव के आधार पर वर्गीकृत किया और मानव समाज को चेतावनी या आश्वासन देने के लिए शकुन-शास्त्र का विकास किया।

वेदों, स्मृतियों, पुराणों, धर्मसिंधु और फलित ज्योतिष ग्रंथों में शकुन-विचार का विस्तृत वर्णन मिलता है। वसंतराज शाकुन जैसे ग्रंथ बताते हैं कि जिन चिह्नों से शुभ-अशुभ का ज्ञान हो, वही शकुन कहलाते हैं। तुलसीदास कृत रामचरितमानस में भगवान श्रीराम की बारात के समय हुए शुभ शकुनों का वर्णन यह दर्शाता है कि स्वयं धर्मावतार भी प्रकृति के संकेतों को अनदेखा नहीं करते थे। दाहिनी ओर कौए का बोलना, नकुल का दर्शन, अनुकूल वायु का बहना—ये सभी मंगल संकेत माने गए।

अग्नि पुराण में शकुनों को दीप्त और शांत दो वर्गों में बांटा गया है। दीप्त शकुन अशांति, बाधा और हानि के सूचक माने गए, जबकि शांत शकुन सफलता और सिद्धि का संकेत देते हैं। दिन-रात, दिशा, स्थान, क्रिया, ध्वनि और जाति—इन सभी के आधार पर शकुनों की व्याख्या की गई है। यह वर्गीकरण दर्शाता है कि शकुन केवल एक घटना नहीं, बल्कि समय, स्थान और परिस्थिति का संयुक्त संकेत होते हैं।

भारतीय समाज में छींक, कौआ, छिपकली, वर्षा, कुत्ता जैसे साधारण प्रतीत होने वाले तत्व भी शकुन के वाहक माने गए। छींक को कहीं बाधा, कहीं लाभ और कहीं रोगमुक्ति का संकेत माना गया। कौए को पितरों का दूत कहा गया, जिसके व्यवहार से धन, संकट या अतिथि आगमन का अनुमान लगाया जाता है। छिपकली का गिरना, बोलना या दिशा विशेष में चलना जीवन की घटनाओं से जोड़ा गया। वर्षा से जुड़े शकुन कृषि प्रधान समाज की जीवनरेखा थे, जिनसे अन्न, अकाल और समृद्धि का अनुमान लगाया जाता था। कुत्ते को तो अतीन्द्रिय चेतना से युक्त प्राणी माना गया, जो अदृश्य संकटों को पहले भांप लेता है।

इन सभी मान्यताओं के पीछे मूल भाव यह था कि मनुष्य प्रकृति से कटकर नहीं, बल्कि उसके साथ तालमेल में जीवन जिए। शकुन-अपशकुन मनुष्य को सतर्क करते थे, आत्मविश्लेषण का अवसर देते थे और कई बार अनावश्यक जोखिम से बचाते थे। परंतु समय के साथ जब इन संकेतों को विवेक के स्थान पर भय और वहम से जोड़ दिया गया, तब ये अंधविश्वास कहे जाने लगे।

न्यूज़ ब्रीफ

मुठभेड़ में नायडू गैंग के तीन टप्पेबाज गिरफ्तार

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कुख्यात नायडू गैंग के तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक को मौके से दबोचा गया। इससे पहले गिरोह से जुड़ी एक महिला और दो बाल आपचारी को हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस के अनुसार 26 दिसंबर को बैंक से 10 लाख रुपये निकालकर जा रहे कंपनी कर्मियों को वाहन पंचर कर टप्पेबाजी का शिकार बनाया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में कार्रवाई हुई। आरोपियों के पास से हथियार और 1.35 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। शेष रकम विभिन्न बैंकों में जमा पाई गई, जिसे होल्ड करा दिया गया है। आरोपियों पर कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जनरेटर कक्ष में मिला दो कर्मियों का शव

फिरोजाबाद। थाना नारखी क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप पर काम करने वाले इटावा निवासी दो युवकों के शव शुक्रवार सुबह बंद जनरेटर कक्ष में मिले, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जांच में जनरेटर से निकलने वाले धुएं के कारण दम घुटने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि दोनों कर्मचारी गुरुवार रात ड्यूटी पूरी करने के बाद उसी कमरे में सोने चले गए थे, जहां जनरेटर चालू था। सुबह देर तक बाहर न आने पर सहकर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो महिला गैंगस्टर की 37.68 लाख की संपत्ति कुर्क

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए दो महिला तस्करों की करोड़ों नहीं बल्कि लाखों की अवैध संपत्ति कुर्क की है। शाहगंज थाना क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई में करीब 37.68 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि कस्बा शाहगंज निवासी माया उर्फ सुनीता पत्नी स्वर्गीय शिव प्रसाद तथा आशा देवी पत्नी शियाशंकर ने मादक पदार्थों की तस्करी से अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की थी। माया उर्फ सुनीता की 21.18 लाख रुपये और आशा देवी की 16.50 लाख रुपये की संपत्ति को कुर्क किया गया है। एसपी ने कहा कि यह कार्रवाई अपराधियों के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि गैरकानूनी गतिविधियों से अर्जित संपत्ति को किसी भी हाल में संरक्षण नहीं मिलेगा। जनपद पुलिस द्वारा नशा तस्करों और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा। यात्रा समय कम करने के उद्देश्य से 7 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई है।

कथित 'भगवान' ने पेट में छोड़ दी कैंची, डेढ़ साल बाद मौत

डीबीडी संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले में कथित चिकित्सकीय लापरवाही का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां प्रसव के दौरान किए गए ऑपरेशन में पेट के भीतर कैंची छूट जाने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने डॉक्टर पर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। महिला की गुरुवार को उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में आक्रोश और तनाव का माहौल बन गया है। मृतका की पहचान जितना थाना क्षेत्र के झाझरा गांव निवासी मणिभूषण कुमार की 25 वर्षीय पत्नी उषा देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, करीब डेढ़ वर्ष पूर्व प्रसव पीड़ा के दौरान उषा देवी को मोतिहारी के ज्ञानबाबू चौक स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था।

MRI में कैंची छूटने का हुआ खुलासा

परिजनों का कहना है कि इस दौरान कई बार जांच और अल्ट्रासाउंड कराए गए, लेकिन कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया। दवाओं से अस्थायी राहत मिलती रही, पर समस्या बनी रही। हाल ही में अचानक दर्द असहनीय होने पर महिला को एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां एमआरआई जांच में पेट के अंदर कैंची होने का खुलासा हुआ। चिकित्सकों ने तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी।

कैंची निकालते समय बिगड़ गई हालत

इसके बाद महिला को रहमानिया मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां ऑपरेशन के दौरान कैंची निकालते समय उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस एनकाउंटर

कुख्यात अपराधी मैनेजर राय को लगी गोली

हत्या, लूट के मामले में वांछित था राय, एसटीएफ से हुई मुठभेड़

एजेंसी । पटना

राजधानी पटना के खगौल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात पुलिस और कुख्यात अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान हत्या और लूट के मामलों में वांछित अपराधी मैनेजर राय पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हो गया। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा ने बताया कि इनामी अपराधी मैनेजर राय के क्षेत्र में मौजूद होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पटना पुलिस ने बिहार एसटीएफ के साथ संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया।

पटना एम्स में चल रहा इलाज

आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में मैनेजर राय के घुटने के नीचे गोली लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत स्थिर बनी हुई है।

ठंड का कहर: प्रदेश भर में इंटर तक के संस्थान बंद

डीबीडी संवाददाता । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में जारी तीव्र शीतलहर के मद्देनज़र राज्य सरकार ने एहतियाती कदम उठाते हुए कक्षा 1 से 12 तक संचालित सभी बोर्डों के विद्यालयों में 5 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया है। यह निर्णय छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि ठंड से प्रभावित लोगों को हर संभव राहत उपलब्ध कराई जाए और प्रशासनिक अधिकारी लगातार अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भ्रमणशील रहें।

पर्याप्त इंतजाम का निर्देश

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में अलाव और कंबल वितरण की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति खुले में रात न बिताए। रैन बसेरों में ठहरने वाले लोगों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं, जैसे पर्याप्त गर्म वस्त्र, स्वच्छता और अन्य आवश्यक इंतजाम अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं।

38 जनपदों में शीतदिवस का अलर्ट

बिहार में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना ने राज्य के 38 जिलों में कोहरा और कोल्ड-डे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 5 जनवरी तक ठंड से राहत के आसार नहीं हैं और कई जिलों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

राज्य के अनेक हिस्सों में दृश्यता बेहद कम दर्ज की गई है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। शीतलहर के चलते लोगों को अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने नागरिकों से सावधानी बरतने, अनावश्यक बाहर न निकलने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

बॉब: 9.02 करोड़ के लोन का फर्जीवाड़ा

संगठित गिरोह की भूमिका की आशंका, बैंक कर्मियों की भी मिलीभगत

एजेंसी । पटना

बैंक ऑफ बड़ौदा की रायबरेली शाखा में सामने आए 9.02 करोड़ रुपये के लोन घोटाले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसके पीछे किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता के संकेत मजबूत होते जा रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि बैंक कर्मियों की मिलीभगत से योजनाबद्ध तरीके से इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया। मामले में फर्जी दस्तावेजों के सहारे अलग-अलग शाखाओं में खाते खोलकर करोड़ों रुपये के व्यक्तिगत ऋण स्वीकृत कराए गए। लंबे समय तक किस्तें जमा न होने पर बैंक प्रबंधन को संदेह हुआ, जिसके बाद जांच कराई गई। जांच में 48 खाताधारक संदिग्ध पाए गए, जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस को कार्रवाई सौंपी गई है। विवेचना की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक जितेंद्र सिंह को दी गई है।

नियमित रूप से भेजी गई सैलरी

बैंक अधिकारियों के अनुसार, आरोपितों ने सुनियोजित साजिश के तहत खातों में एक ही बैंक खाते से नियमित रूप से लाखों रुपये की कथित 'सैलरी' ट्रांसफर कराई, जिससे खातों की विश्वसनीयता बनी रही और बैंक कर्मियों ने बिना शक किए उन्हें बड़े ऋण दे दिए। फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब लगातार किश्तें बकाया रहने लगीं। जांच में यह भी सामने आया है कि खातों में दर्ज मोबाइल नंबर और पहचान संबंधी दस्तावेज पूरी तरह फर्जी थे। सिम कार्ड भी जाली पहचान पत्रों पर लिए गए, जिसके चलते पुलिस को लोकेशन ट्रेस करने में कठिनाई आ रही है। पुलिस और बैंक की संयुक्त टीम तकनीकी व दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर गिरोह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

भाजपा MLA डॉ. श्याम बिहारी लाल का निधन

- सर्किट हाउस में बैठक के दौरान पड़ा दिल का दौरा

- फरीदपुर से दूसरी बार लगातार चुने गए थे विधायक

डीबीडी संवाददाता । बरेली

उत्तर प्रदेश में जारी तीव्र शीतलहर के मद्देनज़र राज्य सरकार ने एहतियाती कदम उठाते हुए कक्षा 1 से 12 तक संचालित सभी बोर्डों के विद्यालयों में 5 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया है। यह निर्णय छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।

एक दिन पहले ही मनाया था जन्मदिन

डॉ. श्याम बिहारी लाल भाजपा के टिकट पर फरीदपुर से लगातार दूसरी बार विधायक चुने गए थे। इससे पूर्व वे महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में लंबे समय तक सेवाएं दे चुके थे और शिक्षा क्षेत्र में उनका विशेष योगदान रहा।

माघ मेला 2026: QR कोड से मिलेगी त्वरित सहायता

मेला सेवा एप के जरिए श्रद्धालुओं को सीधे प्रशासन से जोड़ने की नई व्यवस्था

प्रयागराज। संगम तट पर आयोजित होने वाले माघ मेला 2026 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और त्वरित मदद सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने इस बार अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग शुरू किया है। मेला क्षेत्र में क्यूआर कोड आधारित सहायता प्रणाली लागू की गई है, जिससे श्रद्धालु मेला सेवा एप के माध्यम से सीधे प्रशासन से जुड़ सकेंगे। माघ मेला प्रभारी नीरज पांडेय ने बताया कि मेला क्षेत्र में स्थापित 15,500 विद्युत पोलों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं।

सभी पोलों की यूनिक नंबरिंग के कारण केवल पोल नंबर बताकर भी लोकेशन का पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही मेला हेल्पलाइन नंबर 1920 को भी विस्तारित रूप में पुनः सक्रिय किया गया है, ताकि श्रद्धालु किसी भी समस्या पर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें।

प्रत्येक पोल पर मिलेगा QR कोड

उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड के माध्यम से श्रद्धालु अपनी सटीक लोकेशन प्रशासन के साथ साझा कर सकेंगे। प्रत्येक पोल पर सड़क, सेक्टर और गूगल कोड अंकित किया गया है, जिससे स्थान की पहचान आसान हो सकेगी। हर 25 मीटर पर लगे पोलों के क्यूआर कोड से अस्पताल, पुलिस चौकी, घाट, पार्किंग और आश्रय स्थलों की जानकारी भी तुरंत मिल सकेगी। इसके अलावा मेला क्षेत्र का पूरा नक्शा मोबाइल पर उपलब्ध होगा। माघ मेला प्रभारी के अनुसार, पार्किंग के समय नजदीकी पोल का जी-कोड नोट कर लेने से श्रद्धालुओं को लौटते समय अपना वाहन ढूंढने में सुविधा होगी। सभी पोलों की यूनिक नंबरिंग के कारण केवल पोल नंबर बताकर भी लोकेशन का पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही मेला हेल्पलाइन नंबर 1920 को भी विस्तारित रूप में पुनः सक्रिय किया गया है, ताकि श्रद्धालु किसी भी समस्या पर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी, निफ्टी ने रचा इतिहास

4.37 लाख करोड़ रुपये से भरी निवेशकों की झोली

एजेंसी । नई दिल्ली

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार ने मजबूती के साथ समापन किया। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत, रुपये में मजबूती, घरेलू संस्थागत निवेशकों की सक्रिय खरीदारी और बैंकिंग व ऑटो सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन के दम पर बाजार में पूरे दिन उत्साह बना रहा। इस तेजी के बीच निफ्टी ने नया ऑल टाइम हाई बनाते हुए रिकॉर्ड स्तर छू लिया। कारोबार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई, लेकिन शुरुआती घंटे में ही खरीदारों ने बाजार पर पकड़ बना ली। दोपहर के समय मुनाफावसूली के कारण थोड़ी नरमी जरूर दिखी, हालांकि अंतिम सत्र में प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

सेक्टर्स में चौतरफा खरीदारी

दिनभर के कारोबार में बैंकिंग, पीएसयू, एनर्जी और रियल्टी शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली। इसके अलावा ऑटो, मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर, कैपिटल गुड्स और टेक्नोलॉजी शेयरों ने भी बाजार को सहारा दिया। एफएमसीजी सेक्टर को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी तेजी का असर दिखा और मिडकैप व स्मॉलकैप इंडेक्स मजबूती के साथ बंद हुए।

निवेशकों को बड़ा फायदा

बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 481.29 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले कारोबारी दिन की तुलना में करीब 4.37 लाख करोड़ रुपये अधिक है। इससे निवेशकों के चेहरे पर खुशी नजर आई।

सेंसेक्स-निफ्टी का हाल

सेंसेक्स ने दिन के दौरान ऊंचे स्तरों को छुआ और अंत में 573.41 अंकों की बढ़त के साथ 85,762.01 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने कारोबार के दौरान नया रिकॉर्ड बनाते हुए 26,328.55 का स्तर छुआ और 182 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ।

टॉप गेनर्स और लूजर्स

दिन के प्रमुख लाभ में रहने वाले शेयरों में कोल इंडिया, एनटीपीसी, हिंडाल्को, ट्रेंट और जियो फाइनेंशियल शामिल रहे। वहीं आईटीसी, नेस्ले, कोटक महिंद्रा बैंक, श्रीराम फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयरों में दबाव देखा गया। कुल मिलाकर, सप्ताह के अंत में बाजार की मजबूत बंदी ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है।

MSME निर्यातकों के लिए 7295 करोड़ का पैकेज घोषित

नई दिल्ली। वैश्विक व्यापार में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने 7,295 करोड़ रुपये का व्यापक 'एक्सपोर्ट सपोर्ट पैकेज' शुक्रवार को लॉन्च किया। इसका उद्देश्य विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर के लिए कर्ज और वित्तीय सहायता को सरल, सस्ता और किफायती बनाना है।

प्रतिस्पर्धी दरों पर मिलेगा कर्ज

केंद्र ने दो हिस्से में बांटा पैकेज

केंद्र सराकर ने सरकार ने इस 7,295 करोड़ रुपये के पैकेज को दो हिस्सों में बांटा है। पहले में ब्याज सहायता योजना के 5,181 करोड़ रुपये घोषित हैं, इसके तहत पात्र एमएसएमई निर्यातकों को प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट क्रेडिट पर 2.75% तक की सब्सिडी मिलेगी। प्रति फर्म लाभ की सालाना सीमा 50 लाख रुपये निर्धारित है। इसी तरह दूसरे पार्ट में कोलेटरल सपोर्ट के तहत 2,114 करोड़ रुपये का प्रबंध किया गया है। इसमें निर्यात से जुड़े वर्किंग कैपिटल लोन के लिए क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाएगी। प्रत्येक फर्म को 10 करोड़ रुपये तक की गारंटी उपलब्ध होगी, जिससे अतिरिक्त संपत्ति गिरवी रखे बिना कर्ज लिया जा सके।

यह पैकेज 'एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन 2025-31' का दूसरा प्रमुख घटक है। इसके पहले चरण में, 31 दिसंबर 2025 को 4,531 करोड़ रुपये का 'मार्केट एक्सेस सपोर्ट' लॉन्च किया गया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) के अनुसार, ब्याज सहायता और कोलेटरल सपोर्ट केवल चयनित 'पॉजिटिव लिस्ट' के उत्पादों पर लागू होगा। इसमें रक्षा उत्पाद, SCOMET आइटम (विशेष रसायन, जीव, उपकरण और प्रौद्योगिकियां) शामिल हैं। लाभ की बात करें तो निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर रुपये में कर्ज प्राप्त होगा।

एइक्विटस के संस्थापक सिद्धार्थ का निधन

न्यूजीलैंड में अचानक दिल का दौरा पड़ा

नई दिल्ली। भारतीय निवेश और शेयर बाजार को बड़ा झटका लगा है। एइक्विटस के संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर सिद्धार्थ भैया का निधन हो गया। वे 47 वर्ष के थे और अपने परिवार के साथ न्यूजीलैंड में छुट्टियां मना रहे थे, तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनकी मौत हो गई। सिद्धार्थ भैया ने 2012 में एइक्विटस की स्थापना की और इसे देश की अग्रणी PMS कंपनियों में बदल दिया।

कंपनी ने बयान में कहा कि टीम सिद्धार्थ के दर्शन और निवेश के दीर्घकालिक उद्देश्यों के अनुसार काम करती रहेगी और निवेशकों के लिए पहले जैसी ही प्रतिबद्धता बनाए रखेगी।

Coal India पर टूट पड़े निवेशक, रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी कोल इंडिया अचानक निवेशकों के रडार पर है। शुक्रवार को दोपहर बाद शेयर सभी मूविंग एवरेज के ऊपर ट्रेड करता दिखा। कारोबार की शुरुआत में शेयर करीब 3 फीसदी उछाल के साथ 401.35 रुपये पर ओपन हुआ। इसके बाद लगातार खरीदारी के चलते शेयर 6 फीसदी तक तेजी के साथ 52 वीक हाई 424.95 तक चला गया।

सर्राफा बाजार में बदला रुख, सोना चढ़ा तो चांदी फिसली

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार गिरावट के बाद गुरुवार को सोने की कीमतों ने फिर मजबूती दिखाई है, जबकि चांदी के दामों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के चलते आज अधिकांश प्रमुख बाजारों में इसके भाव 170 से 190 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ गए। कीमतों में उछाल के बाद देश के विभिन्न शहरों में 24 कैरेट सोना 1,35,070 रुपये से लेकर 1,35,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता नजर आया। वहीं 22 कैरेट सोने के भाव 1,23,810 रुपये से 1,23,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच दर्ज किए गए। दूसरी ओर, चांदी के दामों में नरमी बनी रही और दिल्ली सर्राफा बाजार में यह 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,37,900 रुपये प्रति किलो

महानगरों में सोने के भाव

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,35,220 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,23,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। मुंबई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,070 रुपये और 22 कैरेट का 1,23,810 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अहमदाबाद, भोपाल और पटना जैसे शहरों में भी सोने के दाम लगभग इसी स्तर पर बने रहे।

अन्य शहरों में भी तेजी

चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर के सर्राफा बाजारों में भी सोने के भाव में बढ़त देखी गई। इन शहरों में 24 कैरेट सोना करीब 1,35,070 रुपये और 22 कैरेट सोना लगभग 1,23,810 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। कुल मिलाकर, नए साल की शुरुआत में सर्राफा बाजार में सोने ने मजबूती दिखाई है, जबकि चांदी पर दबाव बरकरार है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय संकेतों और घरेलू मांग के आधार पर कीमती धातुओं के दामों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

भारतमाला हाईवे

यमदूत बना ट्रेलर आठ को रौंदा

देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर देर रात हुआ भयंकर हादसा

चार की मौत, चार का पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज जारी

एजेंसी । बीकानेर

नापासर थाना क्षेत्र में भारतमाला हाईवे पर गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े ऑटो और पिकअप को टक्कर मारते हुए आठ लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में जोधपुर के इंद्र सिंह, चूरू के ताराचंद, बादडिया के परमेश्वर और राजेश जांगिड़ की पत्नी पूजा शामिल हैं। सभी को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसे के बारे में बताया गया कि कुछ लोग हाईवे पर पलटे ऑटो को उठाने का प्रयास कर रहे थे, तभी ट्रेलर ने अचानक टक्कर मारी। उनके अनुसार, कुछ अन्य वाहन भी चपेट में आए। वह डिवाइडर की ओर कूदकर बच गए, नहीं तो उनकी जान भी जा सकती थी।

दुर्घटनाग्रस्त आटो को उठाने के लिए जुटे थे लोग

हादसे में घायल इंद्र सिंह ने बताया कि वह गांधीनगर की तरफ से आ रहे थे। हाईवे पर एक ऑटो पलटा हुआ था। ऑटो वाले ने लाइट दी तो वे रुक गये और हाईवे पर पलटे ऑटो को उठाने का प्रयास कर रहे थे, तभी स्पीड में आए ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इंद्र सिंह ने बताया कि वहां दो से तीन गाड़ियां और खड़ी थीं, जो चपेट में आ गईं। वे उछलकर डिवाइडर के तरफ गिरे, जिससे बच गये, नहीं तो ट्रेलर उनके ऊपर आ जाता। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और ट्रेलर चालक की पहचान कर पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था और गाड़ियों की पार्किंग नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। हादसे के तुरंत बाद राहत और बचाव अभियान चलाया गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

मौके पर चार की मौत, घायलों की हालत नाजुक

इस भीषण हादसे में राजूराम पुत्र रामप्रसाद जाट (लूणासर, चूरू), सुनील पुत्र लिच्छूराम गोदारा (बादडिया, चूरू), सुनील पुत्र भंवरलाल बिश्नोई (रासीसर, बीकानेर) और राजेश पुत्र पूरणमल जांगिड़ (झीनी, झुंझुनूं) की घटनास्थल पर मौत हो गई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और ट्रेलर चालक की पहचान कर पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हादसे में गंभीर रूप से घायलों में इंद्र सिंह, सालावास (जोधपुर), ताराचंद, राजलवाड़ा (चूरू), परमेश्वर, बादडिया और पूजा, पत्नी राजेश जांगिड़ को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों की हालत गंभीर है और उनका इलाज जारी है।

देश के सबसे स्वच्छ शहर में दूषित जल ले रहा जान

इंदौर में दूषित पानी से 15वीं मौत

भागीरथपुरा में 60 वर्षीय महिला की मौत, 201 लोग अस्पताल में भर्ती

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार सुबह 60 वर्षीय गीताबाई की मौत हो गई, जो 24 दिसंबर से एमवाई अस्पताल में इलाजरत थीं। उनके मरने के साथ ही शहर में दूषित पानी से हुई मौतों की संख्या बढ़कर 15 हो गई। गीताबाई के अलावा बीते कुछ हफ्तों में इसी इलाके में कई लोग पानी से बीमार हुए। उनका पति और भतीजा भी उल्टी-दस्त से पीड़ित पाए गए थे। इलाज के दौरान गीताबाई को वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने बताया कि दूषित पानी से प्रभावित कुल 201 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें 32 लोग आईसीयू में हैं। अब तक की जांच में साफतौर पर पुष्टि हुई है कि पानी की गुणवत्ता खराब होने के कारण लोग बीमार और कुछ की मौत हुई। गौरतलब है कि इंदौर, जिसे देशभर में स्वच्छता के लिए आदर्श शहर माना जाता है, अब दूषित पानी और लगातार मौतों की वजह से संकट में है। जनता की सुरक्षा और प्रशासन की जवाबदेही को लेकर सवाल लगातार बढ़ रहे हैं।

स्टेटस रिपोर्ट और न्यायालय की सुनवाई

राज्य सरकार ने मामले में अपनी स्टेटस रिपोर्ट उच्च न्यायालय में पेश की है। इसमें दावा किया गया कि दूषित पानी से केवल चार मौतें हुई हैं। जनता और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह आंकड़ा वास्तविक स्थिति से काफी कम है। न्यायालय ने 6 जनवरी को अगली सुनवाई तय की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि इंदौर में पानी नहीं, जहर बांटा गया। उन्होंने भाजपा सरकार की लापरवाही और संवेदनहीन रवैये की निंदा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र सरकार को दोषी ठहराया। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि दोषियों को दंडित करना और पीड़ितों से माफी मांगना आवश्यक है।

न्यूज़ ब्रीफ

एमसीडी भ्रष्टाचार: इंजीनियर समेत तीन दोषी

दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के जूनियर इंजीनियर रमेश चंद जैन समेत तीन आरोपितों को भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार दिया है। आरोपितों में सुरेंद्र कुमार शर्मा और सुरेंद्र कुमार जांगड़ा भी शामिल हैं। कोर्ट ने पाया कि आरोपितों ने 18 मार्च, 2024 को शिकायतकर्ता अरुण कुमार गुप्ता से उनके घर के निर्माण को सुचारू रूप से चलाने के बदले रिश्वत मांगी। सीबीआई ने जाल बिछाकर कार्रवाई की थी। जांच में पता चला कि जैन ने अपनी आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग कर निजी व्यक्तियों के साथ मिलकर साजिश रची। कोर्ट ने कॉल रिकॉर्डिंग, गवाहों की गवाही और डिजिटल सबूतों को आधार मानते हुए तीनों को भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7 और आईपीसी की धारा 120बी के तहत दोषी ठहराया। सजा की अवधि पर बहस 5 जनवरी को होगी।

लाल किला विस्फोट: शोपियां और पुलवामा में तलाशी अभियान

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों में दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए बम विस्फोट की जांच के तहत तलाशी अभियान चलाया है। एनआईए के अधिकारियों ने पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से आरोपितों में से एक यासिर अहमद डार को तलाशी अभियान में शामिल किया। अहमद को 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल के संबंध में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान दक्षिण कश्मीर के शोपियां के पदपावां इलाके और पुलवामा के पंपोर इलाके में जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यह तलाशी अभियान मामले के नौवें आरोपी डार की सूचना पर चलाया गया, जिसने जांचकर्ताओं को इन इलाकों में कुछ गुप्त ठिकानों के बारे में बताया था।

शनिवार को सुपरमून जैसी होगी पूर्णिमा

आज रात कीजिए सुपरमून का दीदार

एजेंसी । भोपाल

खगोल विज्ञान के शौकीनों के लिए शनिवार, 3 जनवरी का दिन खास होने जा रहा है। इस दिन पृथ्वी और चंद्रमा सूरज के सबसे नजदीक होंगे। चंद्रमा पृथ्वी के पास आने से लगभग सुपरमून जैसा दिखेगा, जबकि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा पथ में अपने पेरिहेलियन बिंदु पर पहुंचेगी। मध्य प्रदेश की नेशनल अवार्ड विजेता विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि आकाशीय पिंड अपनी परिक्रमा अंडाकार पथ में करते हैं। इस दौरान एक बार वे सबसे पास और एक बार सबसे दूर होते हैं। 3 जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे नजदीक पहुंचते हुए 14 करोड़ 70 लाख किलोमीटर की दूरी पर होगी, जबकि जुलाई में यह दूरी बढ़कर 15 करोड़ 20 लाख किलोमीटर हो जाएगी। सारिका के अनुसार, सोशल मीडिया पर इसे वुल्फ सुपरमून कहा गया है। हालांकि, खगोल विज्ञान की दृष्टि से यह पूरी तरह सुपरमून नहीं है, क्योंकि चंद्रमा 1 जनवरी को पृथ्वी के सबसे नजदीक था। शनिवार को पूर्णिमा की रात चंद्रमा मिथुन राशि में रहेगा और पृथ्वी से लगभग 3 लाख 62 हजार किलोमीटर की दूरी पर चमकेगा। इस वीकेंड पर सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा के नज़दीकी मिलन के साथ नववर्ष 2026 का स्वागत करना खगोल विज्ञान प्रेमियों के लिए यादगार होगा।

24 दिसंबर को दिखेगा और चमकीला मून

सारिका ने सभी को सुझाव दिया कि नए साल के पहले सप्ताह में यह दुर्लभ खगोलीय संयोग देखना एक अनोखा अनुभव होगा। अगर, आप वास्तविक सबसे बड़े और चमकदार सुपरमून का आनंद लेना चाहते हैं, तो इसके लिए 24 दिसंबर का इंतजार करना होगा। यह असली सुपरमून नहीं है; असली सबसे बड़ा और चमकीला सुपरमून 24 दिसंबर 2026 को दिखाई देगा। भारत में यह चंद्रमा शाम को उदित होगा और रातभर आकाश में दिखाई देगा। मौसम साफ रहने पर रात के 7 बजे के बाद से यह साफ दिखाई देने लगेगा। पूर्णिमा की स्थिति में चंद्रमा मिथुन राशि में रहेगा। दुनिया के अन्य हिस्सों में दृश्यता की बात करें एशिया में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, चीन, जापान, थाईलैंड आदि में यह अनोखा दृश्य देखा जा सकेगा।

100 करोड़ की परियोजना मंजूर कर सकेंगे एलजी

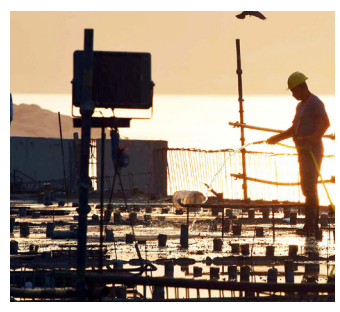

एजेंसी । जम्मू

केंद्र सरकार ने लद्दाख के उपराज्यपाल की वित्तीय शक्तियां बहाल कर दी हैं। अब उपराज्यपाल 100 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं का मूल्यांकन और अनुमोदन सीधे कर सकेंगे।

वित्त मंत्रालय ने यह अधिकार डीएफपीआर, 2024 के तहत एलजी/प्रशासकों को सौंपा है। इसके अनुसार परियोजनाओं के अनुमोदन के लिए सचिव (वित्त) या वित्तीय सलाहकार की सलाह और पर्याप्त बजटीय प्रावधान अनिवार्य होंगे। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि स्वीकृत सभी प्रस्तावों का विवरण त्रैमासिक आधार पर गृह मंत्रालय के माध्यम से व्यय विभाग को भेजा जाए। यह कदम लद्दाख में राजनीतिक और गैर-राजनीतिक समूहों की आपत्तियों के बाद आया है, जिन्होंने 100 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं के अनुमोदन के अधिकार की वापसी पर विरोध जताया था।

पाकिस्तान ने खो दिया जल संसाधन साझा करने का अधिकार: जयशंकर

विदेश मंत्री ने किया स्पष्ट, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी तरह का समझौता नहीं होगा

चेन्नई। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि जो देश लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, वह भारत से जल संसाधनों की मांग करने का अधिकार नहीं रखता। जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के मामलों में किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा।

जयशंकर ने पाकिस्तान पर स्पष्ट रूप से कहा कि कोई देश एक साथ भारत में आतंकवाद फैलाने का प्रयास नहीं कर सकता और भारत से जल संसाधनों को साझा करने की अपेक्षा भी नहीं रख सकता। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने वर्षों से आतंकवाद को बढ़ावा देने का निर्णय लिया हुआ है और ऐसे देश को अच्छा पड़ोसी नहीं कहा जा सकता।

मित्र और शत्रु देश की पहचान जरूरी

चेन्नई में एक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ हर आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विदेश नीति में स्पष्ट रूप से तय होना चाहिए कि कौन मित्र देश है और कौन शत्रु। आतंकवाद के किसी भी रूप को भारत स्वीकार नहीं कर सकता। विदेश मंत्री ने कहा, "जो पड़ोसी देश लगातार आतंकवाद का समर्थन करता है, भारत को अपने नागरिकों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर कदम उठाने का पूरा अधिकार है। इसका प्रयोग कैसे और कब होगा, यह पूरी तरह भारत का संप्रभु निर्णय है। किसी बाहरी ताकत को इसमें दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।"

पाकिस्तान किसी लाभ की उम्मीद न करे

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे पड़ोसी से मिलने वाले किसी भी लाभ की उम्मीद करना व्यर्थ है। भारत अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आवश्यक सभी कदम उठाता रहेगा।

इस बयान को भारत की स्पष्ट और सख्त विदेश नीति का संकेत माना जा रहा है। इसमें आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह की नरमी की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है और भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने हितों के मामले में किसी भी दबाव को स्वीकार नहीं करेगा।

1500 करोड़ के ज़मीन घोटाले में पूर्व कलेक्टर राजेंद्र पटेल गिरफ्तार

सुरेंद्रनगर में ईडी की कार्रवाई, भ्रष्टाचार और धनशोधन के आरोप में जांच तेज

गांधीनगर। गुजरात के प्रशासनिक तंत्र में हलचल मचाने वाले लगभग 1500 करोड़ रुपये के ज़मीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुरेंद्रनगर के तत्कालीन कलेक्टर राजेंद्र पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को गांधीनगर स्थित उनके निवास पर ईडी की तीन अलग-अलग टीमों ने करीब तीन घंटे तक गहन पूछताछ की। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पूर्व कलेक्टर को गिरफ्तार कर ईडी विशेष अदालत में पेश कर रिमांड की मांग की जाएगी। बताते चलें कि घोटाले की जांच शुरू होने पर राज्य सरकार ने राजेंद्र पटेल को तत्काल प्रभाव से सुरेंद्रनगर से तबादला कर दिया था। इसके बावजूद ईडी की जांच और धनशोधन व भ्रष्टाचार के पहलुओं की पड़ताल जारी रही, जो अब गिरफ्तारी के रूप में सामने आई है।

जांच में खुला भ्रष्टाचार का खेल

जांच में पता चला है कि सुरेंद्रनगर में खेती की ज़मीनों को नियमों के खिलाफ बिनखाती करने के बदले करोड़ों रुपये का अवैध लेन-देन हुआ। आरोप है कि पद का दुरुपयोग कर ज़मीनों के दर्जे में बदलाव कराया गया। इस घोटाले की गंभीरता को देखते हुए ईडी ने 23 दिसंबर 2025 को तत्कालीन कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। पहले ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में भी मामला दर्ज किया जा चुका था।

साजिश नाकाम

श्रीगंगानगर में पाकिस्तानी ड्रोन गिरा

ड्रोन से लाई गई 4.88 किलो हेरोइन जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान के सीमावर्ती श्रीगंगानगर जिले में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए की जा रही मादक पदार्थों की तस्करी का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। नए साल की रात सीमा पार से भेजी गई करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन गिराते समय तकनीकी खराबी के कारण ड्रोन क्रैश हो गया। सतर्क गश्त पर तैनात पुलिस ने मौके से 4.88 किलो हेरोइन, एक ड्रोन और तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह घटना रावला थाना क्षेत्र में 15 केएनडी पुलिया के पास नहर किनारे हुई। एक जनवरी की रात नियमित गश्त के दौरान पुलिस टीम ने तीन युवकों को संदिग्ध हालत में देखा। पुलिस वाहन को देखकर तीनों भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही दबोच लिया गया। पुलिस ने जब तीनों की तलाशी ली तो उनके पास से कुल 4 किलो 880 ग्राम हेरोइन और एक डीजेआई कंपनी का ड्रोन बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि इसी ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की खेप भारत भेजी गई थी, लेकिन ड्रग्स गिराने के दौरान ड्रोन नीचे गिर गया।

महंगाई की आग में झुलसा ईरान, फायरिंग में तीन मरे

कोम में खामेनेई शासन के खिलाफ नारेबाजी, कई शहरों में झड़पें

गिरती अर्थव्यवस्था के बाद देशभर में अशांति का माहौल

एजेंसी । तेहरान

ईरान में महंगाई और गिरती मुद्रा के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन अब देशव्यापी बन गए हैं। विरोध के पांचवें दिन पवित्र शहर कोम में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम तीन लोग मारे गए। राजधानी तेहरान के ग्रैंड बाजार से उठी चिंगारी ने पूरे देश में अशांति फैला दी है।

कोम, जो शिया धर्मगुरुओं और ईरानी शासन का मुख्य केंद्र माना जाता है, भारी सुरक्षा के बावजूद प्रदर्शनकारियों की आवाज़ सुनाई दी। स्थानीय लोगों ने अयातुल्ला अली खामेनेई शासन के खिलाफ नारे लगाए। सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कई लोग झुलस गए। यह पहला मौका है जब इतने लंबे समय के बाद शहर में खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन हुए।

देश के अन्य हिस्सों में तनाव, प्रदर्शन जारी

फूलदशहर, दारियुश अंसारी बख्तियारवंद, कुहदाश्त, अमीर-हेसाम खोदायरीफर्द, अजना और शायन असदुल्लाही सहित कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं। फॉक्स न्यूज और अन्य रिपोर्टों के अनुसार, तेहरान, मशहद, इस्फ़हान, लोरेस्टान और खुज़ेस्तान के छोटे शहरों में भी रातभर विरोध प्रदर्शन जारी रहे।

नमाज बाद सरकारी भवनों को बनाया निशाना

प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों, न्यायालयों, बैंकों और शुक्रवार की नमाज के कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाया। सुरक्षा बलों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इस दौरान कई लोगों की मौत और कई घायल हुए। मध्य और उत्तरी ईरान में विरोध प्रदर्शन और उग्र होते चले गए। कज्विन और कोम में लोगों ने 'यह आखिरी लड़ाई है' और 'तानाशाह मुर्दाबाद' जैसे नारे लगाए।

मानवाधिकार और हिरासत की चिंता

कुर्द अधिकार समूह हेंगाओ और अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ने बताया कि कुहदाश्त और लोरदेगान में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कई घायल हुए। तेहरान में गिरफ्तार छह महिलाओं को एविन जेल के महिला वार्ड में रखा गया।

गौरतलब है कि ईरान में महंगाई, आर्थिक संकट और गिरती मुद्रा ने राजनीतिक असंतोष को भड़काया है। पांच दशक में पहली बार पवित्र शहर कोम में खुले रूप से शासन के खिलाफ नारे गूंजे हैं। अब यह देखना बाकी है कि सरकार और नागरिक किस तरह इस संकट से निपटते हैं।

इलेक्शन एक्सप्रेस
मनपा चुनाव
मनपा चुनाव 2025
DBD 8
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई
शनिवार, 3 जनवरी 2026

कोने-कोने से...

मुस्लिम उम्मीदवार नहीं चाहिए : अशोक चव्हाण

नांदेड। नांदेड महानगरपालिका चुनाव के बीच बीजेपी सांसद अशोक चव्हाण का एक कथित ऑडिओ क्लिप सामने आया है। इस क्लिप में चव्हाण कथित तौर पर श्मुस्लिम उम्मीदवार नहीं चाहिए, हम सिर्फ हिंदुओं का पैनल बनाएंगे जैसी बातें करते सुनाई दे रहे हैं। यह नांदेड़ के प्रभाग क्रमांक 14 इतवारा मदीनानगर के संदर्भ में है। ऐसा आरोप है कि जब एक इच्छुक उम्मीदवार ने मुस्लिम बहुल क्षेत्र के लिए एक मुस्लिम चेहरे को शामिल करने का प्रस्ताव रखा, तो अशोक चव्हाण और पूर्व राज्यमंत्री डी.पी. सावंत ने उसे ठुकरा दिया। उन्होंने केवल हिंदू उम्मीदवारों का पैनल तैयार करने और चुनाव खर्च की जिम्मेदारी पार्टी द्वारा उठाने का आश्वासन दिया। इस पर अब बीजेपी विधायक की सफाई सामने आई है। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब बीजेपी पर टिकट वितरण के लिए 50-50 लाख रुपये लेने और पुराने वफादारों को नजरअंदाज करने के आरोप पहले से ही लग रहे हैं। डीबीडी अशोक चव्हाण के वायरल ऑडियो क्लिप की पुष्टि नहीं करता है। इसीलिए ये क्लिप हम आपको नहीं सुना रहे हैं।

उद्धव सेना को झटका, अधिकृत उम्मीदवार शिंदे गुट में शामिल

नागपुर। प्रभाग 21 में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को ऐन वक्त पर तगड़ा झटका लगा है। पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार गौरव महाजन ने अपने समर्थकों के साथ शिंदे गुट की शिवसेना में प्रवेश कर लिया। महाजन को यूबीटी की ओर से एबी फॉर्म मिला था, इसके बावजूद उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और विधायक कृपाल तुमाने की उपस्थिति में शिंदे सेना में शामिल हो गए। उन्होंने शिंदे सेना के अधिकृत उम्मीदवार अजय दलाल को समर्थन देने की घोषणा की। इस प्रभाग से भाजपा विधायक कृष्णा खोपड़े के करीबी कार्यकर्ता संजय अवचट को भाजपा ने टिकट देकर मैदान में उतारा है। महायुति में शिंदे सेना को मात्र आठ सीटें मिलने से नाराज होकर कई प्रभागों में शिवसैनिक चुनाव लड़ रहे हैं।

'अपराधियों' को टिकट देने पर अड़े अजित पवार

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महाराष्ट्र के नहानगर पालिका चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का पक्ष लेते हुए उन्हें टिकट देने का समर्थन किया है। उनका कहना है कि किसी पर आरोप लगने और मुकदमा दर्ज होने का मतलब यह नहीं है कि वह दोषी ही हो। पवार ने कहा कि उनपर भी 70 हजार करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले का आरोप लग चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक कोई दोषी साबित न हो जाए, तब तक वह अपराधी नहीं होता। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मुरलीधर मोहोल ने आपराधिक संबंधों वाले व्यक्तियों को टिकट देने के लिए गुरुवार को पवार की आलोचना की थी।

क्या बोलती पब्लिक

हम नियमित रूप से टैक्स देते हैं, लेकिन काम समय पर नहीं होते। इस चुनाव में मेरा समर्थन उसी प्रतिनिधि को मिलेगा जो जवाबदेह हो, जनता से सीधा संवाद रखे और समस्याओं का समाधान तय समय में सुनिश्चित करे।

–मोहित रावत, ठाणे

घोषणाओं की भीड़ से जनता थक चुकी है। अब खोखले वादों नहीं, बल्कि ज़मीन पर दिखने वाले ठोस कामों की ज़रूरत है। जो रोज़मर्रा की समस्याओं को ईमानदारी से सुलझाएगा, वही भरोसा और मेरा वोट पाएगा।

–कैलाश यादव, भांडुप

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

सच पूछेगा महाराष्ट्र

मुंबई महानगर पालिका चुनाव की गरमाहट शहर में नजर आ रही है। वार्ड 43 में चुनावी माहौल गरम है। नगर की गलियों में राजनीतिक चर्चा जोरों पर है। जहां सड़कें, पानी, सीवर और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर बात करने DBD की टीम जनता के बीच पहुंची। DBD पॉडकास्ट सीरीज के तहत 'विचार है, यह प्रचार नहीं' में वार्ड 43 में बीजेपी के पूर्व नगरसेवक व गटनेता विनोद मिश्रा से DBD संपादक अरुण लाल ने पूछे कठिन और बेबाक सवाल।

लाडली बहनों के आशीर्वाद तथा युवाओं के साथ से हमारी जीत निश्चित: विनोद मिश्रा

Q आपके वार्ड की सबसे बड़ी समस्या क्या है और आप उसे पहले एक वर्ष में कैसे हल करेंगे?

हमारे वार्ड की सबसे गंभीर समस्या यह है कि यहां PTC हब (संक्रमण शिविर) बनाने का प्रस्ताव है। पर मैं जनता को विश्वास दिलाता हूं कि इसे किसी भी स्थिति में बनने नहीं दिया जाएगा। साथ ही जानू भोये नगर SRA (ओमकार SRA) में प्रस्तावित श्मशान भूमि के आरक्षण को हटाकर वहां महिला आधार भवन तथा कौशल विकास केंद्र (Skill Development Center) स्थापित करने का ठोस निर्णय लिया जाएगा, ताकि स्थानीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को सीधा लाभ मिल सके।

Q पानी की सप्लाई, सीवर और ड्रेनेज सुधार के लिए आपकी ठोस योजना क्या है?

देखिए, जल की समस्या बड़ी गंभीर है। हम जनता को जल के सदुपयोग के लिए जागरूक करते रहे हैं। संजय नगर, त्रिवेणी नगर (ज्योति होटल के पास) एवं रमेश होटल परिसर में 6 इंच की नई जलापूर्ति पाइपलाइन का कार्य पूर्ण किया गया है। वार्ड के प्रमुख जल रिसाव (लीकेज) की समस्याओं का समाधान किया गया है। हमने झोपड़पट्टी और चॉल क्षेत्रों में पुरानी व छोटी पाइपलाइनों (Bunch of old pipelines) को हटाकर बड़े आकार की नई पाइपलाइन डाली है। फायर वॉटर आउटलेट पॉइंट्स को अपग्रेड किया गया है। इन सभी कार्यों के कारण वार्ड में अधिकांश जल समस्याएं समाप्त हो चुकी हैं।

Q सड़कों के गड्ढे और फुटपाथ की स्थिति सुधारने के लिए आपने क्या अलग किया है?

मैं अपने नगरवासियों के साथ लगातार काम करता हूं। वार्ड 43 की सभी प्रमुख मुख्य सड़कों का 100% सीमेंट कंक्रीट (CC रोड) से निर्माण किया गया है। आंतरिक सड़कों और फुटपाथों का भी कार्य पूर्ण किया गया है। पैदल यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए फुटपाथ रेलिंग का कार्य जारी है, जिससे अवैध फेरीवालों और अनधिकृत पार्किंग पर नियंत्रण किया जा सके।

Q कचरा प्रबंधन और स्वच्छता को बेहतर बनाने के लिए आपकी क्या रणनीति है?

वार्ड में सड़क पर 7 कचरा पेटियां थीं जिनके चलते बहुत गंदगी होती थी। इनमें से 5 कचरा पेटियां हटाई जा चुकी हैं, केवल 2 शेष हैं, जिन्हें भी हटाया जाएगा। हमने कचरा पेटियों के स्थान पर स्थायी कचरा संग्रह प्रणाली विकसित की है। वार्ड 43 को मुंबई का सबसे स्वच्छ और आदर्श वार्ड बनाने का लक्ष्य है।

Q बारिश के मौसम में जलभराव रोकने के लिए आपने क्या किया है या क्या करेंगे?

वार्ड में 100% गटर और ड्रेनेज का कार्य पूर्ण किया गया है। नालों की डी-सिल्टिंग एवं मानसून पूर्व नियोजन (Pre-Monsoon Precautions) उपायों से जलभराव की समस्या पूरी तरह हल हो चुकी है।

Q स्थानीय स्कूल, अस्पताल और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आपकी प्राथमिकताएं क्या हैं?

वार्ड के मनपा स्कूलों में प्ले ग्राउंड, बैडमिंटन कोर्ट, फुटबॉल कोर्ट, अत्याधुनिक प्रयोगशाला और पुस्तकालय युक्त स्कूलों का विकास किया गया है, जिनका निरंतर रखरखाव किया जाएगा। CCTV कैमरों के माध्यम से विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। वीर सावरकर मैदान में खेल से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका रखरखाव प्राथमिकता रहेगी। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान (शांताराम तालाब) तथा बाबा बालक दास उद्यान, शिवाजी नगर को मुंबई के सर्वश्रेष्ठ उद्यानों के रूप में विकसित किया गया है; उनकी सुरक्षा और रखरखाव व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

Q युवाओं के लिए रोजगार, स्किल ट्रेनिंग और खेल सुविधाओं पर आपका क्या प्लान है?

वार्ड में स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना। रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना। लाडली बहन योजना (KYC और अन्य संबंधित समस्याओं का समाधान)। युवाओं के लिए मेरे जनसंपर्क कार्यालय में विशेष सुविधाओं की स्वतंत्र व्यवस्था खड़ी करना।

Q BMC के फंड का पारदर्शी और सही उपयोग कैसे सुनिश्चित करेंगे?

सभी वर्क ऑर्डर मेरी वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाएंगे। यह सर्वविदित है कि हमने विपक्ष द्वारा किए गए कई टेंडर घोटालों को उजागर कर उन्हें रद्द कराया है। मैं हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ रहा हूं और BMC फंड (मुंबईकरों के पैसे) के सही एवं ईमानदार उपयोग के लिए प्रतिबद्ध हूं।

Q आप जनता से कितनी बार मिलेंगे और शिकायतों का समाधान कैसे करेंगे?

मैं लगभग प्रतिदिन अपने जनसंपर्क कार्यालय में जनता से मिलता हूं। मोबाइल, ई-मेल, व्हाट्सएप, हेल्पलाइन और सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार संपर्क में रहता हूं। कोरोना काल से 24×7 हेल्पलाइन वार्ड में सक्रिय है और आगे भी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जारी रहेगी।

Q यदि आप काम नहीं करते, तो जनता आपको कैसे जवाबदेह ठहरा सकती है?

जनता ने यदि मुझे अवसर दिया है, तो जनता जनार्दन है और उनका आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है।

Q आप नगरसेवक के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार क्यों हैं?

मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उन विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है जो पिछले 50 वर्षों में भी अधूरे थे; जिसमें वार्ड की 100% सड़कों का सीमेंट कंक्रीटीकरण, 100% सीवर लाइन का निर्माण, पोस्ट ऑफिस और डायलिसिस सेंटर जैसी मूलभूत सुविधाओं की शुरुआत शामिल है। इसके अतिरिक्त, मैंने अस्पताल के लिए जगह आरक्षित कराने, राशनिंग ऑफिस की मंजूरी के साथ जगह प्रस्तावित करने, पी-ईस्ट कार्यालय की स्वीकृति दिलाकर स्थायी जगह सुनिश्चित करने और अत्याधुनिक स्कूलों, उद्यानों एवं मैदानों का कायाकल्प करने जैसे ठोस कार्य किए हैं जो क्षेत्र की प्रगति का प्रमाण हैं। कोविड काल में, जब मेरे सभी प्रतिद्वंद्वी क्षेत्र (विशेषकर पठानवाड़ी क्षेत्र) छोड़ चुके थे, तब भी हमने मुंबईकरों की सेवा की। 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मिशन के साथ मेरा स्पष्ट लक्ष्य वार्ड 43 को आदर्श वार्ड बनाना है—कुरार और पठानवाड़ी के सभी निवासियों के हित में। मोदी सरकार, देवेंद्र फडणवीस सरकार और लाडली बहनों के आशीर्वाद तथा युवाओं के साथ से हमारी जीत निश्चित है। मैं हमेशा जनता के बीच रहा हूं और उनके हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहा हूं—चाहे समस्या स्थानीय स्तर की हो, नागरिक (Civic) हो, चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक या धार्मिक हो। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है कि मैं वार्ड 43 के लिए सबसे योग्य और सक्षम उम्मीदवार हूं।

विश्लेषण

ठाणे महानगरपालिका

एकनाथ शिंदे के वर्चस्व की अग्निपरीक्षा

धीरज सिंह । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका का आगामी चुनाव महाराष्ट्र की राजनीति में मात्र एक स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं, बल्कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के राजनीतिक भविष्य और उनके गढ़ में उनके दबदबे की सबसे बड़ी परीक्षा है। आनंद दीघे की विरासत और शिंदे के प्रभाव वाले इस शहर में इस बार समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। शिवसेना में हुई ऐतिहासिक फूट के बाद अब ठाणे की गलियों में 'अपनों के खिलाफ अपनों' की जंग छिड़ी है। उपमुख्यमंत्री का गृहक्षेत्र होने के नाते यहाँ की हर सीट प्रतिष्ठा का विषय बन गई है, जहाँ एक तरफ सत्ता का रसूख है तो दूसरी तरफ वजूद बचाने का संघर्ष।

महायुति में 'बड़े भाई' की भूमिका में शिंदे सेना

ठाणे में एकनाथ शिंदे का पलड़ा भारी नजर आ रहा है, यही कारण है कि महायुति गठबंधन में उनकी शिवसेना 'बड़े भाई' की भूमिका निभा रही है। कुल 131 सीटों में से शिंदे गुट 87 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है, जबकि भाजपा के हिस्से में केवल 40 सीटें आई हैं। शिंदे की ताकत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पूर्व के 67 में से 60 से अधिक पार्षद उनके पाले में हैं। शिंदे सेना के सात उम्मीदवार निर्विरोध चुन भी लिए गए हैं। भाजपा, जिसके लिए ठाणे हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है, शिंदे के साथ आकर अपनी ताकत बढ़ाने की उम्मीद कर रही है।

ठाकरे ब्रांड की रक्षा के लिए 'बेमेल' गठबंधन

इस चुनाव का सबसे चौंकाने वाला मोड़ उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का एक मंच पर आना है। 'ठाकरे' ब्रांड और साख को बचाने के लिए शिवसेना (UBT) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने शरद पवार की NCP (SP) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन के तहत उद्धव गुट 67, NCP (SP) 37 और MNS 27 सीटों पर ताल ठोक रहे हैं। यह गठबंधन इस बात का संकेत है कि अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए पुराने विरोधी भी अब एक साथ आने को मजबूर हैं।

कांग्रेस की 'एकला चलो' नीति और चुनौतियां

जहाँ एक तरफ बड़े गठबंधन अपनी रणनीति बना रहे हैं, वहीं कांग्रेस ने ठाणे में 'एकला चलो रे' का रास्ता चुना है। पार्टी 96 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। हालांकि ठाणे के कुछ खास इलाकों में कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक मौजूद है, लेकिन शिवसेना (शिंदे) और भाजपा के संगठित हमले के बीच अपनी जमीन बचाए रखना कांग्रेस के लिए एक कठिन चुनौती साबित होने वाला है। त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय मुकाबलों के कारण मतों का बिखराव कांग्रेस की राह और मुश्किल कर सकता है।

2017 बनाम 2026 : बदल गया सत्ता का स्वरूप

2017 के आंकड़ों पर नजर डालें तो अविभाजित शिवसेना ने 67 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था और भाजपा 23 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी। लेकिन 2026 का नजारा बिल्कुल अलग है। आज शिवसेना दो फाड़ हो चुकी है; एकनाथ शिंदे के पास 'धनुष-बाण' का चिन्ह और अनुभवी पार्षदों की फौज है, तो दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे के पास कार्यकर्ताओं की सहानुभूति और 'मशाल' की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि ठाणे की जनता किसे अपना असली प्रतिनिधि चुनती है।

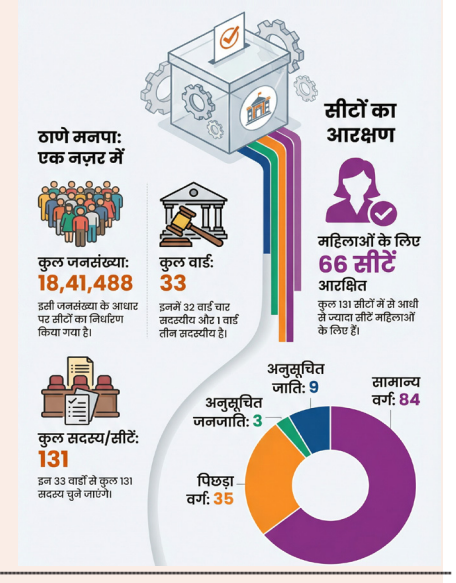

खबर चुनावी है

PM की मौजूदगी, शाह की रणनीति, योगी का रोड शो

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में बीजेपी झोंकेगी पूरी ताकत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र के आगामी महानगरपालिका चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी रणनीतिक ताकत झोंक दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मुंबई के मीरा रोड और पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ जैसे क्षेत्रों में दौरा महज एक चुनावी सभा नहीं, बल्कि हिंदुत्व और सुशासन के एजेंडे को धार देने की कोशिश है। योगी आदित्यनाथ के रोड शो और जनसभाएं उन क्षेत्रों में केंद्रित हैं जहाँ उत्तर भारतीय मतदाताओं का वर्चस्व है, जो चुनाव परिणामों को पलटने की क्षमता रखते हैं।

पीएम मोदी का मुंबई दौरा: धार्मिक कार्यक्रम के साथ मनोवैज्ञानिक बढ़त

11 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई उपस्थिति राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि उनका प्राथमिक उद्देश्य जैन मुनि आचार्य श्री रत्नसुंदरसूरीश्वरजी महाराज की 500वीं पुस्तक का विमोचन करना है, लेकिन चुनावी सरगर्मी के बीच पीएम का यह दौरा भाजपा कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार करेगा। जैन समुदाय और शहरी मतदाताओं के बीच पीएम मोदी की व्यक्तिगत साख पार्टी को एक बड़ी मनोवैज्ञानिक बढ़त दिला सकती है।

पवन कल्याण और मैथिली ठाकुर: क्षेत्रीय और सांस्कृतिक समीकरणों को साधने की रणनीति

भाजपा केवल पारंपरिक वोट बैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि दक्षिण भारतीय और बिहारी मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपना रही है। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का दौरा दक्षिण भारतीय प्रवासियों और युवाओं के बीच पार्टी की पैठ मजबूत करेगा। वहीं, लोकप्रिय गायिका मैथिली ठाकुर को मैदान में उतारना सांस्कृतिक जुड़ाव के जरिए मध्यम वर्ग और प्रवासी परिवारों के बीच एक सकारात्मक माहौल बनाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

अमित शाह का 'पुणे प्लान' : बूथ स्तर पर जीत का खाका

चुनावों के 'चाणक्य' माने जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे को अपना केंद्र बनाया है। शाह का ध्यान केवल जनसभाओं पर नहीं, बल्कि सांगठनिक मजबूती और 'विजय मंत्र' के जरिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर है। पुणे जैसे महत्वपूर्ण केंद्र में बूथ स्तर की समीक्षा और रणनीतिक बैठकें यह दर्शाती हैं कि भाजपा इस बार स्थानीय निकायों में किसी भी प्रकार की कसर बाकी नहीं रखना चाहती है।